राहुल गांधी अमेठी और प्रियंका गांधी रायबरेली से लोकसभा चुनाव लड़ सकती हैं। अमर उजाला को सूत्रों से मिली खबर के मुताबिक, दोनों नेताओं को उत्तर प्रदेश की इन दो अहम सीटों से चुनाव लड़वाने का पार्टी मन बना चुकी है।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:140 दिनांक: 02-05-2024 गुरूवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

दिल्ली के 80 से अधिक स्कूलों और नोएडा के कम से कम दो स्कूलों को बुधवार सुबह ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली, जिससे बड़े पैमाने पर स्कूल खाली करने को मजबूर होना पड़ा। जांच में पता चला है कि रूस से ईमेल भेजा गया है।

भीषण गर्मी से धधक रहे शहर, लू के थपेड़ों ने केरल में ली 4 की जान

-आंध्र प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा राज्यों के लिए हीटवेव के कारण रेड अलर्ट जारी

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले दो से तीन दिनों के लिए आंध्र प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा राज्यों के लिए हीटवेव के कारण रेड अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा मौसम विभाग ने तेलंगाना, आंतरिक कर्नाटक और तटीय आंध्र प्रदेश में अगले 4-5 दिनों के लिए हीटवेव चेतावनी स्तर का ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है। केरल में तेज गर्मी और हीटस्ट्रोक के कारण 4 लोगों की मौत हो गई है। केरल की हेल्थ मिनिस्टर ने स्थिति को लेकर हाईलेवल मीटिंग बुलाई है।

आईएमडी वैज्ञानिक सोमा सेन ने कहा कि भीषण गर्मी की लहरों से प्रभावित होने वाला मुख्य क्षेत्र पूर्वी भारत है, प्रायद्वीपीय भारत में तीव्रता थोड़ी कम होगी। यह हमारे मासिक पूर्वानुमान के अनुरूप है जिसमें भविष्यवाणी की गई थी कि इन क्षेत्रों में गर्मी की लहरें अधिक गंभीर और तीव्र होने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक ने कहा कि झारखंड के लिए हमने ऑरेंज या येलो अलर्ट दिया है। हम अगले 4-5 दिनों के दौरान तेलंगाना, आंतरिक कर्नाटक और तटीय आंध्र प्रदेश के लिए चेतावनी स्तर को ऑरेंज तक बढ़ा रहे हैं। आईएमडी ने कहा कि 15 अप्रैल से ओडिशा में और 17 अप्रैल से गंगीय पश्चिम बंगाल में लगातार लू की स्थिति बनी हुई है। वहीं, आंध्र प्रदेश में रायलसीमा क्षेत्र लगातार भीषण गर्मी की चपेट में है। इसी तरह, केरल में कोझिकोड और अलाप्पुझा जैसे कुछ हिस्से भी भीषण गर्मी से प्रभावित हुए।

तापमान पहुंचा 47.2 डिग्री के आसपास

मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल के कलाईकुंडा में मंगलवार को तापमान 47.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 10.4 डिग्री ज्यादा था। इसको लेकर मौसम विभाग ने कहा कि पश्चिम बंगाल, गुजरात, बिहार, ओडिशा में अगले दो दिन चरम हीटवेव रहेगा। वहीं, झारखंड, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र व आंध्र में 5 दिन हीटवेव के हालात बने रहेंगे।

पूर्वी- दक्षिणी राज्यों में हीटवेव

मौसम विभाग ने अनुमान जताते हुए कहा कि पूर्वी व दक्षिणी राज्यों के अधिकांश क्षेत्रों में मई में हीटवेव के हालात बने रहेंगे। जिसमें ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, कर्नाटक शामिल हैं। वहीं, देश के उत्तर- पश्चिमी क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभों का असर बना रहेगा। इसके चलते मई में हर हफ्ते दो से तीन दिन ही पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार जाएगा।

उत्तर भारत में भीषण गर्मी से राहत

मौसम विभाग ने कहा कि उत्तर भारत के राज्यों में अगले कुछ दिनों में भीषण गर्मी से राहत मिल सकती है। बिहार, झारखंड समेत मध्य प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, उत्तराखंड में भी हल्की बारिश होने की संभावना है। वहीं, पूर्वोत्तर राज्यों में भी हल्की कहीं-कहीं पर हल्की बारिश हो सकती है।

दिल्ली सरकार ने बम की धमकी के बाद स्कूलों के लिए जारी की एडवाइजरी, जानिए क्या है खास

नई दिल्ली(ईएमएस)। राजधानी दिल्ली के स्कूलों में बम की धमकी की घटनाओं के बाद दिल्ली सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों से कहा है कि वो अपनी आधिकारिक ईमेल आईडी पर जो भी ईमेल या मैसेज आएं उनका समय से चेक करें। चाहे वह स्कूल टाइम से पहले आ रहे हैं, स्कूल के दौरान आ रहे हैं या बाद में आ रहे हैं। साथ ही कहा कि अगर कुछ भी अवांछित मिलता है तो दिल्ली पुलिस और जिला या जोन के शिक्षा विभाग के डिप्टी डायरेक्टर को जानकारी दे। बच्चों की सुरक्षा के मद्देनज़र स्कूल अथॉरिटी पेरेंट्स को भी सूचित करें और लॉ एनफोर्समेंट एजेंसी को भी ताकि समय रहते किसी भी तरह की चुनौती या धमकी से निपटा जा सके।

बता दें कि इन धमकियों की जांच दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल करेगी।

दिल्ली पुलिस का कहना है कि मामला स्पेशल सेल में दर्ज किया जा रहा है और इसको लेकर एक टीम बनाई जाएगी। अधिकारी ने कहा कि ये मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित और इसकी गहनता से जांच की जरूरत है। बम की धमकी मिलने के बाद दिल्ली के कई इलाकों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई। सभी मेट्रो स्टेशनों, रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंड और बाजारों में सुरक्षा कड़ी की गई। पुलिस उपायुक्त (रेलवे) केपीएस मल्होत्रा ने कहा, ''हमने प्रत्येक स्टेशन पर सुरक्षा कड़ी कर दी है। हमने अपने कर्मियों को सतर्क कर दिया है और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर कड़ी नजर रखने को कहा है।''

अप्रैल महीने में जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ के पार - पिछले साल की तुलना में 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश का सकल जीएसटी संग्रह अप्रैल में 2.10 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। यह पिछले साल अप्रैल महीने की तुलना में 12.4 प्रतिशत अधिक है। घरेलू लेनदेन और आयात में मजबूत तेजी को जीएसटी संग्रह में बढ़ोतरी की वजह बताया गया है।

वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है। मंत्रालय ने कहा कि सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह अप्रैल 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। यह सालाना आधार पर 12.4 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है, जो घरेलू लेनदेन (13.4 प्रतिशत की वृद्धि) और आयात (8.3 प्रतिशत की वृद्धि) में मजबूत वृद्धि के दम पर मुमकिन हो पाया।

अप्रैल 2023 की तुलना में 17 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि

अप्रैल 2023 में जीएसटी संग्रह 1.87 लाख करोड़ रुपये था। रिफंड के बाद अप्रैल 2024 में शुद्ध जीएसटी संग्रह 1.92 लाख करोड़ रुपये रहा, जो कि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 17.1 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि को दर्शाता है। अप्रैल में केंद्रीय जीएसटी संग्रह 43,846 करोड़ रुपये और राज्य जीएसटी 53,538 करोड़ रुपये रहा। एकीकृत जीएसटी 99,623 करोड़ रुपये रहा जिसमें आयातित वस्तुओं पर मिले 37,826 करोड़ रुपये शामिल हैं। उपकर संग्रह 13,260 करोड़ रुपये रहा, जिसमें आयातित वस्तुओं पर संग्रहित 1,008 करोड़ रुपये शामिल हैं। मार्च 2024 में जीएसटी संग्रह 1.78 लाख करोड़ रुपये रहा था। मार्च के जीएसटी संग्रह में रिफंड के बाद शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.65 लाख करोड़ रुपये रहा, जो कि पिछले साल मार्च महीने की तुलना में 18 प्रतिशत की वृद्धि है।

पत्थर खदान में विस्फोट 3 की मौत

चेन्नई(ईएमएस)। तमिलनाडु के विरुधुनाग में पत्थर खदान में बुधवार को विस्फोट हो गया। इस घटना में 3 मजदूरों की मौत हो गई। बताया गया कि विस्फोट के कारण उनके शरीर के चिथड़े हो गए। विरुधुनगर एसपी ने कहा कि विस्फोट तब हुआ जब मजदूर पत्थर खदान में गाड़ी में से विस्फोटक उतार रहे थे। खदान से जुड़े कागज भी जांचे जा रहे हैं।

चुनावी मौसम में मिली बड़ी राहतः एलपीजी सिलेंडर हो गया सस्ता

नई दिल्ली(ईएमएस)। चुनावी मौसम और ग्लोबल स्तर पर क्रूड ऑयल की कीमतों में आई कमी के चलते गैस सिलेंडर की कीमतों में गिरावट आई है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कटौती की है। सरकार ने बुधवार, 1 मई से 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम 19 रुपये घटा दिए है। हालांकि, घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। सभी शहरों में दाम यथावत बने हुए हैं। राजधानी दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का रिटेल प्राइस अब 1,745.50 रुपये है। इससे पहले दिल्ली में 19 किलो वाले सिलेंडर की कीमत 1764.50 रुपये थी।

पिछले महीने 1 अप्रैल को ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 30.50 रुपये की कटौती की थी। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने इससे पहले मार्च में 25.50 रुपये और फरवरी में 14 रुपये की बढ़ोतरी की थी, जबकि 1 जनवरी को कीमत में 1.50 रुपये की मामूली कटौती की गई थी।एलपीजी के दामों में कटौती के बाद दिल्ली में 19 किलोग्राम के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1,764.50 रुपये से घटकर 1,745.50 रुपये हो गई है. मुंबई में नई कीमत 1,698.50 रुपये तय की गई. चेन्नई में कीमत 1,911 रुपये है, जबकि कोलकाता में 20 रुपये की कटौती के बाद यह कीमत 1,859 रुपये है. गैस सिलेंडर की कीमतों में यह कटौती ग्लोबल ऑयल प्राइस में हालिया गिरावट के कारण आई है।

चुनाव आयोग ने जारी किया पहले और दूसरे चरण के मतदान का आंकड़ा

विपक्ष ने उठाए थे सवाल,अभी भी जानकारी सार्वजनिक नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय चुनाव आयोग ने आम चुनाव के पहले और दूसरे चरण के वोटिंग प्रतिशत का आंकड़ा मंगलवार की शाम को जारी किया है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने बताया है कि 66.14 फ़ीसदी वोटिंग पहले चरण में हुई है। 2019 के चुनाव में 69.43 फ़ीसदी वोटिंग हुई थी।

26 अप्रैल को हुए दूसरे चरण के मतदान में 66.71 फ़ीसदी मतदान हुआ है। 2019 के दूसरे चरण में 69.64 फीसदी मतदान हुआ था।

केंद्रीय चुनाव आयोग के आंकड़ों को समझे तो इस बार औसत 66.43 फ़ीसदी मतदान हुआ है। 2019 में यह 69.4 फ़ीसदी था। 2019 की तुलना में इस बार लगभग 3.11 फ़ीसदी कम मतदान हुआ है।

विपक्ष ने उठाए थे सवाल

पहले दौर के मतदान के 11 दिन बाद भी मतदान के आंकड़े जारी नहीं करने पर, विपक्षी दलों ने केंद्रीय चुनाव आयोग के ऊपर सवाल उठाए थे। इसके पहले 24 घंटे के अंदर चुनाव आयोग मतदान के आंकड़े जारी करता था। 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले एवं दूसरे चरण के मतदान के जो आंकड़े जारी किए गए थे। मंगलवार को जारी किए गए मतदान के आंकड़े काफी ज्यादा हैं। विपक्ष अभी भी मांग कर रहा है,चुनाव आयोग ने संसदीय वार मतदाताओं की जानकारी अभी तक सार्वजनिक नहीं की है। जब यह जानकारी ही नहीं दी गई। तब किस तरह मान लिया जाए,कि जो मतदान हुआ है। उसका आंकड़ा सही है। हर निर्वाचन क्षेत्र मैं हुए मतदान की जानकारी भी वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं है। विपक्ष द्वारा यह भी कहा गया है, कि 4 दिन पहले जो आंकड़े जारी किए गए थे। जो आंकड़े मंगलवार को जारी किए गए हैं। उसमें 5.75 फ़ीसदी का अंतर है।

बम धमकीः हिंदुस्तान के खिलाफ साइबर वॉर की साजिश रच रहा आईएसआई

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों को धमकी भरे ई-मेल मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। इस ईमेल के पीछ पाकिस्तानी कनेक्शन का भी शक जताया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक आईएसआई के इशारे पर आईएसआईएस मॉडयूल की साजिश की भी आशंका जताई जा रही है। इन स्कूलों में धमकी भरे इमेल घ्एघ के इशारे पर भेजे जाने का शक है। जिस ईमेल आईडी से दिल्ली एनसीआर के स्कूल को धमकी दी गयी ̈ग्र्स्मितील

अभी तक की जांच में सामने आया ̈ग्ग्स एक अरेबिक शब्द है, जिसका इस्तमाल 2014 से इस्लामिक स्टेट द्वारा इस्लामिस्ट प्रोपेगंडा को फैलाने के लिए किया जाता है. चुनाव के दौरान घ्एघ लगातार हिंदुस्तान में अस्थिरता लाने या फिर कहें पैनिक की स्तिथि पैदा करना चाहता था। इसके लिए घ्एघ के इशारे पर घ्एघ्ए लगातार हिंदुस्तान के खिलाफ साइबर वॉर की साजिश रच रहा था। यही वजह है कि दिल्ली पुलिस जांच कर रही है की क्या इन धमकी भारी मेल के पीछे किसी आतंकी संगठन की साजिश तो नहीं? बताया जा रहा है कि आज दिल्ली-नोएडा के करीब 100 स्कूलों में धमकीभरे मेल आने के बाद हड़कंप मच गया। इस धमकी भरे मेल की शिकायत स्कूल प्रशासन ने पुलिस को दी। इसके बाद स्कूलों को खाली कराया और स्कूल परिसरों में पुलिस, बम स्क्वाड और दमकल विभाग की टीम ने पहुंचकर तलाशी ली। दिल्ली के स्कूलों में बम की धमकी के मेल की सूचना मिलने के बाद बच्चों के पैरेंट्स के बीच भी अफरा-तफरी का माहौल हो गया और पैरेंट्स बच्चों को लेने स्कूल पहुंचे।

पीएम मोदी ने कांग्रेस समेत इंडी गठबंधन को बताया फेक फैक्ट्री

साबरकांठा (ईएमएस)ि दो दिवसीय चुनावी दौरे पर गुजरात आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बनासकांठा के बाद साबरकांठा के हिम्मतनगर में जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन पर कड़े प्रहार किर्ए पीएम मोदी ने कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को फेक फैक्ट्री बताया और कहा कि मुहब्बत की दुकान अब फेक सामान और फेक नारे बेच रही हैं मोदी को बदनाम करने की कोशिश फेक खबरें फैला रहे हैं, लेकिन देश उसे स्वीकार नहीं कर रर्हे पीएम मोदी ने कहा कि पहले कांग्रेस के लोग डराते थे कि देश में आग लग जाएर्गी अयोध्या में भव्य राम मंदिर बना या नहीं? कहीं कुछ नहीं हुर्आ कहते थे कि कश्मीर से धारा 370 हटाई तो देश टूट जाएर्गा इतना ही नहीं जम्मू-कश्मीर में कोई तिरंगा उठानेवाले नहीं बचेर्गा लेकिन उन्हें खबर नहीं है कि यह मोदी हैं कश्मीर से धारा 370 हटी या नहीं? आज लाल चौक में आन बान शान से तिरंगा लहरा रहा है या नहीं? पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस शहजादे के मुताबिक मोदी तीसरी बार सत्ता में आए तो देश में फिर आग लग जाएर्गी पता नहीं उनके दिमाग में आग कहां से भर गई हैं कांग्रेस के सपने आग में जलकर खाक हो चुके हैं 60 वर्ष सत्ता में रहनेवाली कांग्रेस आज अपने अस्तित्व की लड़ाई लड रही हैं कभी संविधान के नाम पर तो कभी ईवीएम के नाम पर देशवासियों को भड़काने का प्रयास कर रहे हैं हाल ही में ईवीएम के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने विपक्ष को ऐसा तमाचा मारा है कि अब कभी बोल नहीं पाएंर्गे अब वह संविधान खतरे में डर लोगों में पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं कभी कहते हैं आरक्षण खत्म हो जाएर्गा जबकि दशकों तक सत्ता में रहने के बाद कांग्रेस कश्मीर में देश के संविधान को लागू नहीं कर पाई मोदी ने धारा 370 हटाकर कश्मीर में संविधान लागू किर्या मोदी संविधान के प्रति समर्पित था, है और हमेशा रहेर्गा पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन एक फेक फैक्ट्री बन चुका हैं वह भले ही कहते हैं मुहब्बत की दुकान है, लेकिन उसमें सामान सब फेक हैं नारे भी फेक है, जिसके जरिए वह मोदी को बदनाम करने की कोशिशों में जुटे हैं लेकिन देश की जनता उनके फेक स्वीकार नहीं कर रर्ही

आज तय होगा अफजाल अंसारी के राजनैतिक भविष्य का फैसला

गाजीपुर (ईएमएस)। गाजीपुर के सियासी रण का फैसला 4 जून को आएगा, पर इसके पहले इलाहाबाद हाई कोर्ट से मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी के राजनीतिक भाग्य के फैसले की तारीख 2 मई लगी है।

दरअसल, भाजपा के मुहम्मदाबाद से तत्कालीन विधायक कृष्णानंद राय हत्याकांड के गैंगस्टर मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट से अफजाल को सुनाई गई चार साल की सजा पर फैसला होना है। अगर फैसला अंसारी पक्ष में आता है, तब उनका सियासी सफर जारी रहेगा।

साल 2002 के चुनाव में अफ जाल को हराने वाले तत्कालीन भाजपा विधायक राय सहित सात लोगों की 29 नवंबर, 2005 को गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में संजीव जीवा, मुन्ना बजरंगी सहित साजिश में अंसारी बंधुओं पर भी केस दर्ज कराया था। लेकिन इसी केस को आधार बनाकर पुलिस ने वर्ष 2007 में अफजाल व मुख्तार पर गैंगस्टर का मुकदमा भी दर्ज किया था। इस मामले में 29 अप्रैल 2023 को एमपी-एमएलए कोर्ट ने अफजाल को चार व मुख्तार को 10 वर्ष की सजा सुनाई थी। इस फैसले के बाद अफजाल के जेल जाने से संसद सदस्यता खत्म हो गई थी। हाई कोर्ट के आदेश पर जमानत पर छूटे अफजाल ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी लगाकर अपना पक्ष रखा कि जब विधायक हत्याकांड में वे बरी हो चुके हैं,

आर्टिकल 39 बी के तहत निजी संपत्ति को सामुदायिक संसाधन मानने सम्बन्धी याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली (ईएमएस)। क्या सरकार किसी की निजी संपत्ति को संविधान के आर्टिकल 39 बी के तहत सामुदायिक संसाधन मानकर इसका इस्तेमाल सार्वजनिक हित के लिए कर सकती है? कांग्रेस और बीजेपी के बीच चल रही राजनीतिक बहस के बीच 31 साल पुराने मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने अंतिम दिन की सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने एक उदाहरण देते हुए पूछा कि क्या भारत के बाहर सेमीकंडक्टर चिप्स निर्माता को देश में एक इकाई स्थापित करने के लिए कहा जाए लेकिन बाद में बताया जाए कि यह समुदाय का एक भौतिक संसाधन है, और इसे छीन लिया जाएगा तो फिर देश में निवेश कौन करेगा?

शीर्ष अदालत ने कहा, तो सवाल यह है कि क्या कोई व्यक्ति निवेश करता है, एक कारखाना बनाता है और उत्पादन शुरू करता है। कल यह नहीं कहा जा सकता कि इसे श्रमिकों को वितरित करने के उद्देश्य से छीन लिया जाएगा।

इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की संविधान पीठ ने इस मामले की सुनवाई पूरी की। सुनवाई पांच दिनों तक चली। कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा है।

कांग्रेस और बीजेपी के बीच चल रही राजनीतिक बहस के बीच निजी संपत्तियों की मांग और पुनर्वितरण के सरकार के अधिकार क्षेत्र पर बहस में सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को इस जटिल कानूनी सवाल पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया कि क्या निजी संपत्तियों को संविधान के अनुच्छेद 39(बी) के तहत समुदाय का भौतिक संसाधन माना जा सकता है और इसके परिणामस्वरूप सामान्य भलाई को राज्य द्वारा लिया जा सकता है।

मंगलवार को भी अदालत ने कहा था कि, आज के समय में संविधान के अनुच्छेद 39 (बी) और (सी) को एक परिभाषा के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है जो साम्यवाद या समाजवाद का बेलगाम एजेंडा देता है क्योंकि ये आज हमारा संविधान नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाकर की गई मांग

एक्सपट्र्स कोवीशील्ड के साइड इफेक्ट जांचें

- वैक्सीन लगाने से किसी को गंभीर नुकसान पहुंचा, तो सरकार उन्हें हर्जाना दे

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को कोरोना वैक्सीन कोवीशील्ड की जांच के लिए एक याचिका दाखिल की गई। इसमें कहा गया है कि कोवीशील्ड के साइड इफेक्ट्स की जांच करने के लिए एक्सपर्ट पैनल बनाने का निर्देश जारी किया जाए। याचिका एडवोकेट विशाल तिवारी ने लगाई है। उन्होंने कहा कि वैक्सीन लगाने के बाद किसी को नुकसान पहुंचा तो उन्हें हर्जाना देने का सिस्टम बनाया जाए।

भारत में सबसे पहली कोरोना वैक्सीन कोवीशील्ड है। इसे पुणे की सीरम इंस्टीटयूट ने बनाया है। कोवीशील्ड फॉर्मूला ब्रिटिश फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका से लिया गया है। एस्ट्रेजेनेका ने अब ब्रिटिश अदालत में माना है कि उनकी वैक्सीन के गंभीर साइड इफेक्ट्स हैं। कहा- कुछ मामलों में थ्रॉम्बोसिस थ्रॉम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम यानी टीटीएस हो सकता है। इस बीमारी से शरीर में खून के थक्के जम जाते हैं और प्लेटलेट्स की संख्या गिर जाती है।

अगले 5 दिनों में महाराष्ट्र और गुजरात में सहित मध्य भारत में लू की संभावना

नई दिल्ली (ईएमएस)। अगले 5 दिनों के दौरान महाराष्ट्र और गुजरात में सहित मध्य भारत में लू चलने की संभावना है। बता दे कि, साइक्लोनिक सर्कुलेशन पूर्वोत्तर बांग्लादेश के ऊपर बना हुआ है और निचले क्षोभमंडल (लोअर ट्रोपोस्फेयर) स्तर पर एक ट्रफ रेखा बिहार से नागालैंड तक बनी हुई है। एक अन्य चक्रवाती परिसंचरण निचले क्षोभमंडल स्तर पर पूर्वोत्तर असम पर स्थित है। बंगाल की खाड़ी से उत्तर-पूर्व भारत तक तेज़ दक्षिण-पश्चिमी हवाएँ चल रही हैं। अगले 5 दिनों के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, सिक्किम, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में सभी स्थानों पर व्यापक रूप से, 01 मई, 2024 को सिक्किम में छिटपुट ओलावृष्टि के साथ हल्की से मध्यम वर्षा/हिमपात के साथ अलग-अलग स्थानों पर गरज और चमक के साथ तेज हवाएं (30-50 किमी प्रति घंटे) चलने की संभावना है। 01-02 मई के दौरान अरुणाचल प्रदेश और असम और मेघालय में तथा 01-03 मई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 01 और 02 मई को अरुणाचल प्रदेश और 02 मई 2024 को दक्षिण असम, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होगी। 3 मई से एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है। जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में गरज और बिजली के साथ छिटपुट हल्की से मध्यम वर्षा/हिमपात होने की संभावना है। 04-06 मई 2024 के दौरान हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, पंजाब, राजस्थान एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अलग-अलग जगहों पर गरज और बिजली गिरने के साथ बहुत हल्की/हल्की वर्षा होने की संभावना है। साथ ही उत्तर प्रदेश, बिहार और हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में तेज़ सतही हवाएँ (25-35 किमी प्रति घंटे) चलने की संभावना है।

15 मई तक इजरायल के लिए बंद रहेंगी एअर इंडिया की उड़ानें

नई दिल्ली (ईएमएस)। पश्चिम एशिया में तनाव के चलते इजरायल की उड़ानों को निलंबित कर दिया हैं। विमानन कंपनी एअर इंडिया ने इजरायल की उड़ानों को लेकर नया अपडेट शेयर किया है, इसमें कंपनी ने बताया कि फिलहाल तेल अवीव के लिए फ्लाइट का और इंतजार करना होगा। टाटा समूह की विमानन कंपनी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से मंगलवार को तेल अवीव की अपनी उड़ानों के बारे में लेटेस्ट अपडेट शेयर किया। कंपनी ने कहा कि पश्चिम एशिया में जो स्थिति बनी हुई है, उसे देखते हुए तेल अवीव जाने वाली और वहां से आने वाली उड़ानों के निलंबन को आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया है। ये उड़ानें अब 15 मई 2024 तक निलंबित रहने वाली हैं।

तेल अवीव इजरायल की राजधानी है। पिछले महीने पश्चिम एशिया के दो प्रमुख व शक्तिशाली देशों ईरान और इजरायल के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया था। पहले ईरान ने इजरायल के ऊपर ड्रोन व मिसाइलों से हमला किया था। बाद में ऐसी खबरें आई थीं कि इजरायल ने भी जवाबी कार्रवाई में ईरान पर ड्रोन से हमला किया है। हालांकि उसके बाद तनाव बढ़ा नहीं है, लेकिन अभी भी स्थिति सामान्य नहीं हुई है। दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने के बाद भारतीय विमानन कंपनी एअर इंडिया ने तेल अवीव की अपनी उड़ानों को निलंबित करने का फैसला लिया था। कंपनी ने तनाव बढ़ने के बाद 19 अप्रैल को बताया था कि इजरायल की राजधानी के लिए उसकी उड़ानें 30 अप्रैल तक निलंबित रहेंगी। अब निलंबन को 15 मई तक के लिए बढ़ा दिया गया है।

बाइनेंस के फाउंडर को 4 महीने की जेल

नई दिल्ली (ईएमएस)। क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बाइनेंस के फाउंडर और पूर्व सीईओ चांगपेंग झाओ को चार महीने जेल की सजा सुनाई गई है। झाओ को अमेरिका के एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग कानूनों के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। अमेरिका के डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज रिचर्ड जोन्स ने यह सजा सुनाई है। कोर्ट ने क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज पर 4.32 बिलियन डॉलर (करीब 36,068 करोड़ रुपए) का फाइन भी लगाया है। जबकि, झाओ ने 50 मिलियन डॉलर (करीब 417 करोड़ रुपए) जुर्माने के साथ-साथ स् कमोडिटी फ्यूचर्स ट्रेडिंग कमीशन को 50 मिलियन डॉलर का पेनल्टी भरा है।

कनाडा में छात्रों के लिए आए नए नियम से भारतीय छात्र भी होंगे प्रभावित

टोरंटो(ईएमएस)। कनाडा सरकार ने दूसरे देशों के कनाडा में पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए नए नियम जारी किए है। सरकार ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए एक नया नियम बनाया है। जो सितंबर से लागू किया जाएगा। इस नियम के तहत अब अंतरराष्ट्रीय छात्र हफ्ते में केवल 24 घंटे ही कॉलेज कैंपस से बाहर जाकर काम कर सकेंगे। इससे पहले तक अंतरराष्ट्रीय छात्रों को 20 घंटे से अधिक समय तक कैंपस से बाहर काम करने की अनुमति थी, लेकिन ये अस्थायी नीति 30 अप्रैल को खत्म कर दी गई।कनाडा के नागरिकता मंत्री मार्क मिलर ने बताया कि हम कैंपस से बाहर काम करने की समय सीमा को हफ्ते में केवल 24 घंटे कर रहे हैं।

सितंबर से 24 घंटे तक ही अंतरराष्ट्रीय छात्र कैंपस से बाहर जाकर काम कर सकेंगे। जो छात्र कनाडा आते हैं, उन्हें पढ़ने के लिए अवश्य आना चाहिए, वे पढ़ाई पर फोकस कर सकें, इसलिए ऐसा किया जा रहा है। छात्रों को प्रति सप्ताह 24 घंटे तक काम करने की अनुमति देने से यह कि वे मुख्य रूप से अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करेंगे। यदि जरूरी होगा तो काम का विकल्प भी उनके पास रहेगा। उन्होंने कहा कि कैंपस से बाहर काम करने से अंतरराष्ट्रीय छात्रों को वर्क एक्सपीरियंस मिलेगा। साथ ही कुछ खर्चों की भरपाई करने में भी मदद मिलती है। कोरोना के दौरान 20 घंटे काम करने की अस्थायी अनुमति दी गई थी। अब प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो की लिबरल पार्टी की सरकार ने 20 घंटे की सीमा को खत्म कर दिया था। ये छूट मंगलवार को समाप्त हो गई. कनाडा भारतीय छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा स्थानों में से एक है। कनाडाई ब्यूरो की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा में 3,19,130 भारतीय छात्र थे। यहां के कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में भारतीय छात्रों की संख्या सबसे अधिक है। मिलर ने कहा कि कैंपस से बाहर काम करने से अंतरराष्ट्रीय छात्रों को वर्क एक्सपीरियंस मिलता है। साथ ही कुछ खर्चों की भरपाई करने में भी मदद मिलती है। हम चाहते हैं कि वे यहां रहने के लिए तैयार रहें और सफल होकर जाएं।

इस माह खत्म होगा सीबीएसई छात्रों का इंतजार

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के लाखों छात्र केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा 10वीं और 12वीं के रिजल्ट घोषित होने के इंतजार में हैं। सीबीएसई बहुत जल्द परीक्षाओं का रिजल्ट जारी कर सकता है। हालांकि, परिणाम जारी करने से पहले बोर्ड की ओर से रिजल्ट की डेट और टाइम के बारे में बताया जाएगा। दोनों क्लास के नतीजे एक ही दिन जारी होने हैं या नहीं इसकी जानकारी अभी पुख्ता रूप से सामने नहीं आई है। इस बीच छात्रों के मन में इस बात को जानने की उत्सुकता है कि रिजल्ट किस दिन आ सकते हैं?

सीबीएसई इस महीने कक्षा 10वीं और 12वीं का परिणाम जारी करने के लिए तैयार है। मगर इस बीच सोशल मीडिया पर एक नोटिस वायरल हो रहा है जिसमें दावा किया गया है कि परिणाम 1 मई को दोपहर 1 बजे से 3 बजे के बीच जारी होने है। इस नोटिस को लेकर सीबीएसई पीआरओ रमा शर्मा ने अधिसूचना के फर्जी होने की पुष्टि की।

सुपरसोनिक मिसाइल-असिस्टेड रिलीज ऑफ टॉरपीडो प्रणाली का सफलतापूर्वक हुआ परीक्षण

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुपरसोनिक मिसाइल-असिस्टेड रिलीज ऑफ टॉरपीडो (स्मार्ट) प्रणाली का 01 मई, 2024 को सुबह लगभग साढ़े 8 बजे सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया है। यह पूरी प्रक्रिया ओडिशा के समुद्री तट पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से संपादित की गई। स्मार्ट नई पीढ़ी की मिसाइल-आधारित कम भार वाली एक आयुध प्रणाली है, जिसमें एक हल्का टॉरपीडो लगाया जाता ह

ै और इस टॉरपीडो का इस्तेमाल पेलोड की तरह होता है। इसे भारतीय नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमता को सामान्य टॉरपीडो की पारंपरिक सीमा से कहीं अधिक बढ़ाने के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा तैयार तथा विकसित किया है। इस कनस्तर-आधारित मिसाइल प्रणाली में कई उन्नत उप-प्रणालियां समायोजित की गई हैं, जिनमें दो-चरण वाली ठोस प्रपल्शन प्रणाली, इलेक्ट्रोमैकेनिकल एक्चुएटर प्रणाली, सटीकता के साथ इनर्शियल नेविगेशन प्रणाली शामिल हैं। सुपरसोनिक मिसाइल-असिस्टेड रिलीज ऑफ टॉरपीडो पैराशूट-आधारित रिलीज सुविधा के साथ पेलोड के रूप में उन्नत हल्के भार वाले टारपीडो को ले जाती है। इस मिसाइल को ग्राउंड मोबाइल लॉन्चर से प्रक्षेपित किया था।

इस परीक्षण में संतुलित पृथक्करण, निष्कासन और वेग नियंत्रण जैसे कई अत्याधुनिक सुविधाओं को परखा गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सुपरसोनिक मिसाइल-असिस्टेड रिलीज ऑफ टॉरपीडो प्रणाली के सफल उड़ान-परीक्षण पर रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन और रक्षा उद्योग जगत के अन्य भागीदारों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली के विकास से हमारी नौसेना की घातकता में और भी वृद्धि हुई है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत ने स्मार्ट की पूरी टीम के सहयोगात्मक प्रयासों की सराहना की और उनसे उत्कृष्टता के पथ पर आगे बढ़ने का आग्रह किया।

जन हितैषी

कोविशील्ड वैक्सीन और मोदी की विश्वसनीयता

ब्रिटेन की कंपनी एस्ट्राजेनिका ने ब्रिटेन की हाईकोर्ट में स्वीकार किया है कि उसकी कोरोना वैक्सीन से हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा है। रक्त के थक्के जम जाने का भी साइड इफेक्ट हो सकता है। ब्रिटेन की कंपनी एस्ट्राजेनिका के फार्मूले से ही भारत में सीरम इंस्टीटयूट द्वारा कोविशील्ड वैक्सीन को तैयार किया गया था। ब्रिटेन की कंपनी ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर इसे तैयार किया था। ब्रिटेन की दवा कंपनी द्वारा हाईकोर्ट में स्वीकार किया गया है कि वैक्सीन लगने के बाद इसके साइड इफेक्ट भी हैं। ब्रिटेन की कंपनी यह बताने से हमेशा बचती रही है। 2023 में इस कंपनी के खिलाफ वैक्सीन लगाने के बाद हुए साइड इफेक्ट से हर्जाने की मांग का मुकदमा ब्रिटेन की अदालत में चल रहा था। अब जाकर कंपनी ने स्वीकार किया है, ??जिन्हें वैक्सीन लगाई गई थी, उन्हें गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ा है। मरीजों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। ब्रिटेन की कंपनी ने यह भी स्वीकार किया है कि क्लिनिकल ट्रायल और अलग-अलग देशों के डेटा से यह साबित भी होता है कि जिन लोगों को वैक्सीन लगी है, उनके ऊपर अलग-अलग प्रभाव देखने को मिले हैं। इसके बाद भी कंपनी ने दावा किया, कि उसकी वैक्सीन सुरक्षा से जुड़े हुए मामलों को पूरा करती है।

भारत में इस वैक्सीन के ब्रांड एंबेसडर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बने थे। भारत सरकार ने कहा था इस वैक्सीन की जांच इंडियन कौंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च द्वारा की जा चुकी है। इसे अदार पूनेवाला ने सीरम इंस्टीटयूट की खोज बताया था। यह दावा अब गलत साबित हुआ है। भारत सरकार ने कोविशील्ड वैक्सीन को सुरक्षित मानते हुए इसे सभी के ?लिये अनिवार्य किया था। भारत में लगभग 175 करोड़ वैक्सीन के डोज महिला पुरुष और बच्चों को लगाए गए हैं। इस वैक्सीन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चित्र छापकर इसे विश्वसनीय बनाया गया था। निशुल्क वैक्सीन सरकारी खर्चे पर नागरिकों को लगाई गई थी। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आमजनों के बीच लोकप्रियता और विश्वसनीयता का लाभ कंपनी को मिला। पिछले वर्षों में जिस तरह से साइलेंट हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक के मामले भारत में बड़ी तेजी के साथ बढे हैं। कोरोना के दूसरे फेस में लाखों लोगों की मौत हुई थी। उनमें किसी के पोस्टमार्टम नहीं कराए गए। अस्पतालों में जो कोरोना के मरीज भर्ती होते थे, उन्हें कोरोना के मरीज मानकर तथा जिन मरीजों की मौत अन्य बीमारियों के कारण चिकित्सा के दौरान हुई थी। उनको साधारण मौत मानकर उनका भी शव परीक्षण नहीं कराया गया, जिसके कारण यह कहना मुश्किल है कि वैक्सीन के साइड इफेक्ट के कारण मौत हुई है। भारत में साइलेंट हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक और रक्त संबंधी बीमारियों के कारण उन लोगों की मौत हुई है। भारत में दूसरे चरण का मतदान हो चुका है। पांच चरण का मतदान होना है। इसी बीच ब्रिटेन हाईकोर्ट में कोविशील्ड बनाने वाली कंपनी ने साइड इफेक्ट की जो बात स्वीकार की है, उसको लेकर अब भारत में भी भय का वातावरण देखने को मिल रहा है। अकेले दिल्ली में 30000 लोगों की मौत हार्ट अटैक के कारण हुई है। विभिन्न राज्यों में बहुत कम उम्र के लोग नाचते-गाते, व्यायाम करते, अथवा बैठे-बैठे ही साइलेंट हार्ट अटैक से मौत हो जाने के मामले रोजाना देखने और सुनने को मिलते हैं। भारत सरकार ने अभी तक इस तरह के मामलों में कोई जांच नहीं कराई है। एम्स जैसे संस्थान ने कोरोना के कुछ मरीजों की मौत के बाद शव का परीक्षण किया गया था। उसकी रिपोर्ट भी अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक से कम उम्र के लोगों की जो मौत हो रही है उसके बारे में भी अभी तक कोई जांच शुरु नहीं की गई है। भारतीय नागरिक जिन्हें अनिवार्य रूप से वैक्सीन लगवाई गई थी, उन सबमें भय का वातावरण बन गया है। वैक्सीन बनाने वाली कंपनी और अन्य दवा कंपनियों ने जिस तरह से राजनीतिक दलों को चंदा दिया है। उसके बाद यह आशंका व्यक्त की जा रही है कि सरकार ने इस मामले में लापरवाही बरती है। कोरोना काल में ही सबसे ज्यादा चंदा दवा कंपनियों द्वारा राजनीतिक दलों को दिया जाना तथा अमानक दवाइयों के निर्माण और बिक्री पर रोक नहीं लगाए जाने से आम आदमियों को जान और माल का नुकसान हुआ है। इसका असर राजनीतिक दलों और राजनेताओं की साख पर भी पड़ेता हुआ दिख रहा है।

लव जिहाद के बाद अब वोट जिहाद...

जिहाद वैसे कोई आतंकी शब्द नहीं है लेकिन इसका जन्म चूंकि अरबी भाषा से हुआ है इसलिए सनातनी इसे आतंक का पर्याय मानने लगे हैं। जिहाद का शुब्दिक अर्थ जाने बिना देश में वर्षो से राजनीति हो रही है। पहले लव जिहाद के नाम पर हुई और अब वोट -जिहाद के नाम पर हो रही है। लव जिहाद को लेकर भाजपा आक्रामक थी और वोट जिहाद कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद का जुमला है।

जिहाद का शब्दिक अर्थ होता है नैतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए की जाने वाली ज़द्दोज़हद या संघर्ष, किसी जायज़ माँग के लिए भरपूर कोशिश करना या आंदोलन। जिहाद का अर्थ मेहनत और मशक़्क़त करना भी है किन्तु जिहाद का दुर्भाग्य कि उस जैसे पवित्र शब्द का चरमपंथियों ने गलत अर्थ दुनिया को समझा दिया और अब ये आम जिंदगी से निकालकर सियासत का अभिन्न अंग बनता जा रहा है। इसके लिए जितने चरमपंथी जिम्मेदार हैं उतनी ही भाजपा और कांग्रेस भी जिम्मेदार है। भाजपा ने जिहाद के बाद लव -जिहाद को औजार की तरह इस्तेमाल किया तो मौजूदा आम चुनावों में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने मुस्लिम मतदाताओं से सत्ता परिवर्तन के लिए वोट जिहाद करने की अपील कर दी और अब फंस गए। उनके खिलाफ बाकायदा आपराधिक मुकदद्मा दर्ज कर लिया गया है।

उत्तर प्रदेश में मुसलमानों को लेकर सरकार अतिरिक्त रूप से संवेदनशील है ,शायद इसीलिए खुर्शीद की भतीजी मारिया आलम के वीडियो वायरल होने के तुरंत बाद फर्रुखाबाद पुलिस ने मारिया आलम और सलमान खुर्शीद के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। दोनों नेताओं पर आईपीसी की धारा 188, 295 (ए) और आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया। अब उत्तरप्रदेश की सरकार और पुलिस के ऊपर है की वो खुर्शीद साहब और उनकी भतीजी को गिरफ्तार करती है या नहीं ?

खुर्शीद साहब मुझसे उम्र में छह साल बड़े हैं ,वो मुझे अपनी शराफत,नजाकत और बुद्धिमत्ता की वजह से शुरू से प्रिय रहे हैं। उनका मुसलमान होना एक संयोग है । वे मुसलमान भी न होते तो एक मनुष्य के रूप में उतने ही चर्चित होते जितने की आज हैं। खुर्शीद भाई को पूरा देश जानता है। आज के विदेश मंत्री जयशंकर से ज्यादा जानता है। सलमान खुर्शीद एक भारतीय राजनीतिज्ञ,चर्चित वरिष्ठ अधिवक्ता, प्रख्यात लेखक और कानून शिक्षक हैं। वे विदेश मंत्रालय के कैबिनेट मंत्री थे। वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से संबंधित हैं वह एक वकील और एक लेखक है ड1. जो 2009 की आम चुनाव में फर्रुखाबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुए। इससे पहले खुर्शीद 1991 में फर्रुखाबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से 10 वीं लोकसभा के लिए चुने गए थे। वह जून 1991 में वाणिज्य के केंद्रीय उप मंत्री बने, और बाद में विदेश मामलों के राज्य मंत्री बन गए। खुर्शीद साहब शुरू में नेता नहीं बल्कि 1981 में प्रधान मंत्री कार्यालय में एक विशेष अधिकारी के रूप में पदस्थ थे तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी उन्हें राजनीति में लेकर आयीं।

दरअसल जो लोग खुर्शीद को नहीं जानते उन्हें बता दूँ की सलमान खुर्शीद उस व्यक्ति का नाम है जो अपना घर फूंक क्र तमाशा देखने वाला है। एक लेखक है,एक अभिनेता है और बाद में जन नेता है। सलमान से असहमत लोगों ने सलमान खुर्शीद के नैनीताल स्थित आवास को आग तक लगा दी थी लेकिन न सलमान खुर्शीद बदले और न उनके स्वर । वे 1992 में जैसे थे वैसे ही 2024 में भी हैं। सलमान खुर्शीद और उनकी भतीजी को वोट के जरिये व्यवस्था बदलने के लिए जिहाद शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए था,क्योंकि इस देश में आज भी कूढ़ मगज लोग जिहाद के नाम से भड़क जाते हैं ,जैसे जिहाद कोई संक्रामक रोग हो ! सलमान खुर्शीद की मजबूरी ये रही कि वे जिस इलाके में राजनीति करते हैं उस इलाके में उर्दू मातृभाषा के रूप में प्रचलित है। वे यदि परिवर्तन के लिए जिहाद शब्द का इस्तेमाल न करते तो मुमकिन था कि उनकी बात स्थानीय मतदाता समझ न पाता।

इस देश में मुसीबत ये है कि जो होता है उसे वो माना नहीं जाता । जैसे जो हेट स्पीच है उसे हेट स्पीच नहीं कहा जाता और जो हेट स्पीच नहीं है उसे आनन-फानन में हेट स्पीच मान लिया जाता है। घृणा की भाषा के बारे में जब हमारे नेता नहीं जानते तो हमारी पुलिस उसके बारे में कैसे जान सकती है ? पुलिस तो हुक्म की गुलाम है। उसके हाथ बंधे हैं। भारत में पुलिस के हाथ लम्बे जरूर होते हैं किन्तु उन्हें काम नहीं करने दिया जाता। हमारी पुलिस आज भी अंग्रेजों के जमाने कीपुलिस है। पुलिस तब बदलेगी जब देश का संविधान बदलेगा। संविधान तब बदलेगा जब मोदी जी तीसरी बार सत्ता में वापस आएंगे। तब तक हमें ,आपको ,सलमान खुर्शीद को इन्तजार करना होगा। अभी चुनाव के पांच चरण बाक़ी हैं ,देखिये आगे-आगे होता है क्या ? वैसे मै ईमानदारी से कहूँ कि आज आम चुनाव एक धर्मयुद्ध जैसा ही है। एकदम महाभारत के माफिक। लोकतंत्र में वोट जिहाद के बिना कोई तब्दीली आ ही नहीं सकती। इसलिए यदि आपके पास मताधिकार है तो आप वोट जिहाद यानि वोट से क्रांति कर सकते है।भाजपा भी यदि तीसरी बार सत्ता में वापस आएगी तो वोट कि जरिये ही । (लेखक राकेश अचल / ईएमएस)

लोकसभा चुनाव में मुद्दों को नया विमर्श दें

लोकसभा चुनावों के प्रचार अभियान में एक आवाज बहुत धीमी पर एक वजन और पीड़ा के साथ सुनने को मिल रही है कि इस चुनाव को येन-केन-प्रकारेण जीतने के सभी जायज एवं नाजायक प्रयोग हो रहे हैं, लेकिन नैतिकता, मूल्य एवं आदर्श की बात कहीं भी सुनाई नहीं दे रही है। देश का राजनीतिक भविष्य तय करने वाले इन चुनावों में एक और विडम्बना देखने को मिल रही है कि राष्ट्र विकास के मुद्दों एवं आजादी के अमृतकाल को अमृतमय बनाने की कोई चर्चा नहीं है। देश को दिशा देने एवं कोई नया विमर्श खड़ा करने का नेताओं के पास अभाव है, जो अपने-आप में एक त्रासदी है। मतदाताओं की लोकतंत्र के महाकुंभ में भागीदारी का घटना भी एक चिन्ता का सबब है। जबकि किसी भी राष्ट्र के जीवन में चुनाव सबसे महत्त्वपूर्ण घटना होती है। यह एक यज्ञ होता है। लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है।

विभिन्न राजनीतिक दल आरक्षण का मुद्दा खड़ा करके जहां अल्पसंख्यकों को अपनी ओर खींचने की कोशिश करते हुए भाजपा को आरक्षण विरोधी बता रहे हैं और गृहमंत्री अमित शाह के आरक्षण विषयक बयान को तोड़-मेरोड कर झूठे एवं फेक वीडियो के माध्यम से भाजपा के चरित्र को धुंधला रहे हैं, वहीं आम महिलाओं के डर का सहारा लेते हुए उनके मंगल सूत्र और स्त्री धन को छीन लिए जाने की बात कही जा रही है। सैम पित्रोदा के विरासत कर संबंधी बयान से आम जनता के धन को हथियाने की बातें भी हो रही है। लेकिन प्रश्न है कि क्या कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने की संभावना है? सत्ता के सिंहासन पर अब कोई राजपुरोहित या राजगुरु नहीं अपितु जनता अपने हाथों से तिलक लगाती है। चुनाव अभियान तीसरे चरण की ओर अग्रसर हैं। सब राजनैतिक दल अपने-अपने 'घोषणा-पत्र' को ही गीता का सार व नीम की पत्ती बता रहे हैं, जो सब समस्याएं मिटा देगी तथा सब रोगों की दवा है।

एक-दूसरे की नीतियों एवं योजनाओं की आलोचना चुनाव का हिस्सा बनी हुई है और बनना भी चाहिए। लेकिन एक-दूसरे पर भीषण एवं भद्दे आरोप लगाना, लोकतंत्र की मर्यादा का उल्लंघन है। परंतु मौजूदा चुनाव प्रचार में राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक समरसता के ताने-बाने को क्षति पहुंचाने की चेष्टा का होना दुर्भाग्यपूर्ण है। सभी दल भाषणों में नैतिकता की बातें करते हैं और व्यवहार में अनैतिकता को छिपा रहे हैं। चुनाव आयोग के आंकड़ों की ही बात करें तो पिछले सप्ताह तक ही आचार संहिता उल्लंघन की 200 से अधिक शिकायतें आ चुकी है। जिनमें से 169 शिकायतों पर आयोग ने कार्रवाई की है। शिकायतों के आंकड़े बढ़ते ही जा रहे हैं। वास्तव में इन चुनावों में नेताओं ने भाषा एवं भावों को इतना बदरंग, अशालीन एवं भोंथरा कर दिया है कि शर्म-सी महसूस होती है।

दागी उम्मीदवारों के दागों का पर्दापाश होना भी इन चुनावों का हिस्सा है। कथित तौर पर प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े वीडियो क्लिप प्रसारित होने से देखा गया है कि महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा की घटना हुई है। रेवन्ना के खिलाफ शिकायत कुछ महिलाओं के शोषण तक ही सीमित नहीं है, अब अनेकों शिकायतें सामने आएगी और हर शिकायत को ईमानदारी से परखना होगा। सबसे ज्यादा गंभीर बात तो यह है कि आरोपी जर्मनी भाग गया? अगर रेवन्ना दोषी हैं तो उन्हें कानून का सामना करना चाहिए। अगर वह कानून से भागेंगे तो इससे उनकी पार्टी और एनडीए दोनों को ही नुकसान होगा। रेवन्ना देश के पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पौत्र है और उन पर लगे आरोप बहुत ही गंभीर और शर्मनाक है। सत्ता का किसी भी प्रकार का दुरुपयोग ज्यादा समय तक लाभकारी नहीं होता है। हमारा समाज ऐसे मुकाम पर आ गया है, जहां हम किसी महिला के साथ न ज्यादती की सुन सकते हैं और न किसी को करने दे सकते हैं। बात प्रज्वल रेवन्ना एवं बृजभूषण शरण सिंह तक सीमित नहीं हैं, विशेषतः चुनाव में ऐसे मुद्दों का उठना प्रासंगिक है, जिससे उम्मीदवारों को अपने गिरेबार में झांकने का अवसर मिलता है। राजनीतिक दलों को भी उम्मीदवारों का चयन करते हुए उनके चरित्र की परख गहराई से करनी ही चाहिए।

वर्ष 2024 के चुनावों में हम सात में से तीसरे चरण की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन अभी तक भाजपा की चुनावी थीम सामने नहीं आई है, विपक्षी दलों के घोषणा पत्रों या चुनावी बयानों की चीरफाड ही होती हुई दिख रही है। आतंकवादियों और दुश्मनों को उनके घर में घुसकर मारने की बात करने वाली भाजपा के बयानों में चीन पूरी तरह गायब है और पाकिस्तान का जिक्र भी बहुत कम है। निश्चित ही भाजपा जीत की ओर अग्रसर है, इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन सुनिश्चित जीत के साथ सुनिश्चित भविष्य की बात भी होनी ही चाहिए। हकीकत में चुनाव में अनेक उतार-चढ़ाव के बावजूद मोदी का जादू चल रहा है, ऐसी अनेक वजहों से 2024 असाधारण रूप से बिना सशक्त मुद्दे के ही गतिमान है। आश्चर्य की बात यह है कि हमारी राष्ट्रीय राजनीति के मौजूदा दौर के सबसे बड़े जादूगर नरेंद्र मोदी ने अब तक इन चुनावों के लिए कोई सशक्त मुद्दा नहीं पेश किया है जो पहले से सातवें चरण तक चल सके। हर चुनावी चरण एवं सभा में एक नया मुद्दा उभर रहा है, जो कुछ दूर चल कर पृष्ठभूमि में चला जाता है।

भाजपा की ओर से इन चुनावों में मोदी ही मुद्दा है। चुनाव अभियान का आरंभ करते हुए कहा गया कि नरेंद्र मोदी ही भारत को अधिक ऊंचा वैश्विक कद दिला रहे हैं। भारत मंडपम में जी 20 शिखर बैठक को भुनाने की कोशिश हुई। लेकिन यह भी मुद्दा चुनावी गणित में फिट नहीं हुआ। महिला मतदाताओं को लुभाने का दांव भी चला। निर्वाचन वाली संस्थाओं में महिलाओं के आरक्षण के लिए आनन-फानन में पारित कानून इसका हिस्सा था। लेकिन भाजपा के चुनाव प्रचार में इसका जिक्र भी नहीं सुनने को मिल रहा है। इन चुनावों में भी पार्टी के उम्मीदवारों में महिलाओं की हिस्सेदारी 16 फीसदी है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को भी चुनावों के लिहाज से गर्म मुद्दा माना गया था। इसके बावजूद विभिन्न राज्यों में भाजपा के नेताओं के चुनाव भाषणों पर नजर डालें तो पता चलता है कि उनमें इस पर जोर या इसका जिक्र नहीं है। यह मुद्दा हाल में तब उठा जब ऐसे संकेत मिले कि राहुल और प्रियंका गांधी राम मंदिर जा सकते हैं। कुछ सप्ताह पहले भारत रत्न की घोषणा का मुद्दा भी दूर तक नहीं चल सका। ऐसी अनेक उपलब्धियां एवं ऐतिहासिक कार्य हैं, जो मोदी के कद को ऊंचा तो बनाते हैं, लेकिन चुनाव की दिशा को एकदम एवं दूर तक प्रभावित नहीं कर पा रहे हैं।

बात राज्यों की हो या केन्द्र की, भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग पर चुनावों में चर्चा होनी ही चाहिए। भारत के मतदाता मिलकर सरकारों को जवाबदेह ठहराने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। लेकिन मौजूदा लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में मतदान 2019 की तुलना में 7 प्रतिशत कम हुआ है। यह एक चिंताजनक संकेत है और चुनावी प्रक्रिया से मतदाताओं के अलगाव को दर्शाता है। यह भाजपा के मतदाताओं में चली आई आत्मसंतुष्टि की ओर भी संकेत करता है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल को लेकर आश्वस्त हैं। हालांकि, इसका एक और पहलू यह भी है कि 2023 में, प्यू रिसर्च सेंटर ने भारतीय मतदाताओं का एक सर्वेक्षण किया था, जिसमें पता चला था कि 85 प्रतिशत लोगों ने भारत में सैन्य शासन या निरंकुश नेता का समर्थन किया था। क्या शासन के अच्छे तरीके के रूप में लोकतंत्र के समर्थन में गिरावट का ही परिणाम कम होता मतदान है? अगर मतदाता लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपना विश्वास खो रहे हैं तो यह भारत के लोकतंत्र और भविष्य के लिए चिंताजनक संकेत है। इससे निर्वाचित नेता भी जनता के प्रति जवाबदेही से मुक्त होने लगेंगे। भारत के मतदाताओं को समझना चाहिए कि पिछले सतहत्तर वर्षों में देश की सफलता उसके लोकतंत्र की सफलता पर ही आधारित रही है। इसलिये मतदाता को जागरूक होकर अधिकतम मतदान करना चाहिए। साथ-ही-साथ मतदाता अगर बिना विवेक के आंख मूंदकर मत देगा तो परिणाम उस उक्ति को चरितार्थ करेगा कि ''अगर अंधा अंधे को नेतृत्व देगा तो दोनों खाई में गिरेंगे।''(लेखक - ललित गर्ग/ ईएमएस) (लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

तर्कहीन बयानों से जूझती चुनावी राजनीति

- भ्रमित होते आम मतदाता किस पर करे विश्वास

भारत में एक समय ऐसा भी था ज़ब राजनीति से आम जनमानस का विश्वास समाप्त होता जा रहा था। राजनीतिक दलों से जो अपेक्षा थी, सब जनता की इन अपेक्षाओं पर पानी फेरते दिखाई दे रहे थे। उस समय देश की यह अवधारणा बन गई थी कि अब भारत की राजनीति ऐसे ही चलती रहेगी। लेकिन 2014 के बाद देश ने एक नई राजनीति का साक्षात्कार किया। एक ऐसी राजनीति जिसमें सपने भी थे और एक उम्मीद भी थी। आज इस समय को दस वर्ष का समय व्यतीत हो गया है। सपने पूरे हुए या नहीं, यह तो परीक्षण का विषय है, लेकिन आज की राजनीति बदली हुई दिखाई देती है, यह अवश्य ही कहा जा सकता है। लेकिन आज भी जिस प्रकार से सत्ता प्राप्त करने की लालसा लेकर राजनीतिक दल राजनीति कर रहे हैं, वह प्रथम दृष्टया यही परिलक्षित कर रहे हैं कि राजनीतिक दलों के पास अपने कोई स्थायी सिद्धांत नहीं हैं। विपक्ष के दल वर्तमान केंद्र सरकार को घेरने के लिए कई प्रकार के राजनीतिक दांव पेच खेल रहे हैं, वहीं सत्ता धारी दल भाजपा भी किसी भी तरीके से पीछे नहीं कही जा सकती।

इस प्रकार की राजनीति के चलते देश का आम जनमानस निश्चित रूप से भ्रम की अवस्था में है। सारे दल अन्य दलों से अपने आपको बेहतर बताने की राजनीति कर रहा है। इसके लिए कुछ राजनीतिक दल अपने हिसाब से तर्क भी दे रहे हैं। लेकिन एक बात स्पष्ट है कि इस बार विपक्षी दलों के राजनेता सधे हुए क़दमों से अपनी पारी को अंजाम दे रहे हैं। क्योंकि पिछले लोकसभा चुनावों के दौरान जिस प्रकार से कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सार्वजनिक रूप से चोर कहने का दुस्साहस किया गया, उससे कांग्रेस की फ़जीहत हो गई थी, इतना ही नहीं राहुल गाँधी को माफ़ी भी मांगनी पड़ी। इस बार परिदृश्य बदला हुआ है। विपक्ष के नेता सरकार को लक्ष्य करके आलोचना कर रहे हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि इन आलोचनाओं में भी वह धार नहीं है कि वह अकेले दम पर सरकार बनाने का सामर्थ्य पैदा कर सकें।

वर्तमान लोकसभा के प्रचार में विपक्षी दलों की ओर से जिस प्रकार की सक्रियता दिखाई जा रही है, उससे कमोवेश ऐसा ही लगता है कि विपक्ष ने इस चुनाव को आरपार की लड़ाई बना दिया है। यह सभी जानते हैं कि मुख्य विपक्ष की भूमिका निभाने वाली कांग्रेस पार्टी लम्बे समय तक सत्ता का सुख भोगा है, इसलिए यह कहा जाना कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि कांग्रेस के नेताओं को सत्ता में बने रहने की आदत सी हो गई है। उनके बयानों में भी सत्ता प्राप्त करने की तड़प दिखाई देती है। यही तड़प चुनावी बयानों में पैनापन ला रही है।

देश में अब दो चरणों के मतदान संपन्न हो चुके हैं, बचे हुए पांच चरणों के मतदान के लिए जोर आजमाईश की जा रही है। चुनावी रैलियों में राजनेताओं के बयानों की व्याख्या निकालने का क्रम भी चल रहा है। किसी बड़े मुद्दे पर समाचार चैनलों पर बहस भी होती है। इन बहस में सभी नेता अपने हिसाब से अर्थ निकाल कर बहस करते हैं। कोई किसी के कम नहीं दिखता, लेकिन इन बहस में लगभग विवाद जैसी स्थिति बनती दिखाई देती है। एक दूसरे से लड़ने की मुद्रा में आने वाले यह राजनेता शायद इस बात को भूल जाते हैं कि इसे जनता भी देख रही है और आज की जनता यह भी जानती है कि क्या अच्छा है और क्या बुरा। इसके बाद भी आम समाज का एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो इन चर्चाओं को सुनकर भ्रमित भी होते होंगे। राजनेताओं द्वारा दावे के साथ कही जाने वाली किस बात को जनता सही माने, आज यह सबसे बड़ी चिंता है। चैनलों पर जो बहस होती है, उसमें अपनी पार्टी के विचार को कम रखा जाता है, सामने वाले की बात को जोरदार तरीके से नकारने की ही राजनीति की जाती है। विपक्षी नेताओं को इन्हीं बहसों के दौरान एंकरों पर दबाव बनाते हुए भी देखा और सुना जा सकता है। यह बहस का सारा खेल जनता को गुमराह करने वाला होता है। इसमें पूरी तरह से आम जन के मुद्दों का अभाव ही रहता है। इस कारण यह आसानी से कहा जा सकता है कि आज की राजनीति केवल विरोध करने तक ही सीमित हो गई है, इसमें रचनात्मक विरोध समाप्त होता जा रहा है। रचनात्मक विरोध का आशय यही है कि सामने वाले के अच्छे कार्यों का समर्थन भी किया जाए। लेकिन आज की राजनीति में ऐसा होना असंभव सा ही लगता है। ऐसा पिछले दस वर्षों में कुछ ज्यादा ही होता जा रहा है। जहां तक चुनावी मुद्दों की बात है तो विपक्ष की ओर से कोई ख़ास मुद्दे नहीं उठाए जा रहे हैं। जिस महंगाई और बेरोजगारी को विपक्ष मुद्दा बनाकर राजनीति कर रहा है, वह कोई नया नहीं है। यह दोनों ही मुद्दे लगभग हर चुनाव में उठे हैं, और हो सकता है आगे भी उठते रहेंगे, क्योंकि बेरोजगारी का मुद्दा तभी तक होता है ज़ब तक व्यक्ति केवल नौकरी की तलाश में बैठा रहता है। सरकार सबको नौकरी दे भी नहीं सकती, फिर चाहे कोई भी सरकार क्यों न हो। हाँ इस चुनाव में पिछली बार की तरह हिंदुत्व का मुद्दा भी सामने आया है। हिंदुत्व राजनीति का विषय नहीं हो सकता, यह तो असली भारत की आत्मा है।

यह बात सही है कि आज की राजनीति और दस वर्ष पहले की राजनीति में ज़मीन आसमान का अंतर है। भारतीय जनता पार्टी जिस प्रकार की राजनीति करती हुई दिखाई दे रही है, उसका अंदाज निराला है, वहीं कांग्रेस के नेताओं के बयानों से लगता है कि वे ही शासन करने के लिए आए हैं, जबकि उनको यह मालूम होना चाहिए कि वह विपक्षी की भूमिका में हैं। इसके अनुसार ही उनके कार्यक्रम होने चाहिए, लेकिन कभी कभी विपक्षी नेताओं का व्यवहार ऐसा होता है, जैसे वे सरकार से बड़े हैं। विपक्ष की इसे एक बड़ी कमजोरी माना जा सकता है, क्योंकि सामने वाली पार्टी ने सत्ता पर कब्ज़ा नहीं किया, बल्कि लोकतान्त्रिक तरीके से चुनकर आई है। विरोधी पक्ष को यह भी समझना चाहिए कि भारत में लोकतंत्र तभी तक जीवित है, ज़ब तक जनता की राय को महत्व दिया जाएगा। जनता के सही बात रखना चाहिए, ऐसी कोई बात नहीं आना चाहिए जिससे जनता भ्रमित हो। अन्यथा यह लोकतंत्र की भी हार होगी। (लेखक-सुरेश हिंदुस्तानी/ ईएमएस)

शब्द पहेली - 7994

बाएँ से दाएँ

1. अपनत्व,अपनाव-5
4. खाने लायक तैयार होना-3
6. गोंद,लाख-2
7. पति,शौहर-3
8. जंगल,अरण्य-3
10. उत्साह,ललक-2
11. प्रलय,आफत-3
12. ईश्वर,रब-4
15. वट वृक्ष-4
16. निर्माण(उर्दू-3)
17. धोखा,कपट-2
18. दृष्टि,निगाह-3
20. स्वदेश,मातृभूमि-3
22. एक पैसा-2
23. विजय,जीत-3
24. आत्मबलिदानी,साहसी-5

ऊपर से नीचे

1. उपद्रव की स्थिति, अशांति-5
2. लम्हा,क्षण-2
3. गिरावट,अवनति-3
4. मवाद-2
5. मरियल,दुर्बल-4
8. असरदार,प्रभावी-4
9. नाक छेदना-2,3
13. विदिर्ण, छिन्न भिन्न होना-4
14. मांग,अनुरोध-5
15. बलवा,गदर-4
19. विष,गरल-3
21. अस्तर,स्तर-2
22. देवदास की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -7993 का हल

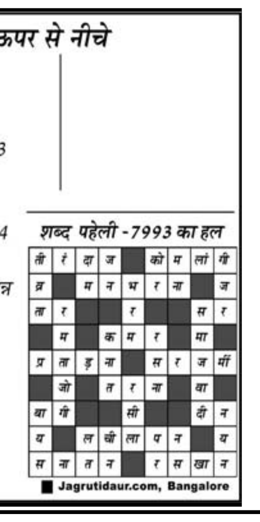

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

21 मई को टी20 विश्वकप के लिए रवाना होगी भारतीय क्रिकेट टीम

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम इसी माह 21 मई को आईसीसी टी20 विश्वकप के लिए अमेरिका जाएगी। टी20 विश्वकप का आयोजन संयुक्त रुप से वेस्टइंडीज और अमेरिका में होगा। आईपीएल 2024 के ग्रुप स्तर के मुकाबले समाप्त होने के एक दिन बाद ही टीम इंडिया का पहला दल अमेरिका के लिए रवाना होगा। पहले दस्ते में केवल वो खिलाड़ी शामिल नहीं होंगे जिनकी टीमें आईपीएल प्लेऑफ में पहुंची हैं। इस दल में भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ सहित उनका पूरा सहयोगी स्टाफ भी शामिल रहेगा। वहीं दूसरा दल 26 मई को खेले जाने वाले आईपीएल फाइनल मैच के बाद रवाना होगा।

एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय टीम इसके बाद न्यूयॉर्क जाएगी जहां उसे लीग के पहले तीन मुकाबले खेलने हैं। भारतीय टीम इंडिया 5 जून को आयरलैंड से, 9 जून को पाकिस्तान से और 12 जून को मेजबान अमेरिका से खेलेगी। टीम इंडिया का शुरुआती कैंप न्यूयॉर्क में लगेगा। आईसीसी ने नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारतीय टीम के लिए अभ्यास की भी व्यवस्था की है। भारतीय टीम लगभग 6 ड्रॉप इन प्रैक्टिस पिचों पर अभ्यास करेगी।

वॉन बोले, टी20 विश्वकप सेमी फाइनल में भी नहीं पहुंचेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने अगले माह टी20 विश्वकप के लिए चयनित भारतीय टीम की आलोचना की है। वॉन ने कहा कि ये भारतीय टीम सेमीफाइनल तक भी नहीं पहुंच पायेगी। वॉन ने भारतीय टीम को आईसीसी टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चार टीमों में शामिल नहीं करते हुए सोशल मीडिया पर उन चार टीमों के नाम भी दिये है जो उनके अनुसार सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। उनका मानना है कि इस बार टी20 विश्व कप में मेजबान वेस्टइंडीज के साथ ऑस्ट्रेलिया, मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीम अंतिम चार में पहुंचेगी। इस बार दस टूर्नामेंट में कुल 20 टीमें खेल रही हैं जिनको 5-5 के 4 ग्रुप में बांटा गया है। भारतीय टीम को परंपरागत प्रतिद्वंदी पाकिस्तान के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। इसके अलावा आयरलैंड, कनाडा और मेजबान अमेरिका को ग्रुप में जगह दी गई है।

विश्वकप के लिए इन खिलाड़ियों को बदकिस्मती से टीम में जगह नहीं मिली

मुम्बई (ईएमएस)। अगले माह जून में होने वाले टी20 में कुछ ऐसे खिलाड़ियों को भी जगह नहीं मिली है। जो भारतीय टीम में जगह पाने के अधिकारी थे। इनमें श्रेयस अय्यर , केएल राहुल , शुभमन गिल, रवि बिश्नोई, रिंकू सिंह और ईशान किशन शामिल हैं। इन सभी के पास अंतरराष्ट्रीय अनुभव है और इन्होंने कई बार अपने को साबित किया पर इसके बाद भी इनकी उपेक्षा से सभी हैरान हैं।

श्रेयस अय्यर : केकेआर के कप्तान श्रेयस हालांकि इस आईपीएल सत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं पर पिछले सत्र के साथ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने मध्यक्रम में बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है।

केएल राहुल : अनुभवी विकेटकीपर केएल राहुल का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के साथ ही इस आईपीएल सत्र में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा है। इसके बाद भी उन्हें विश्व कप टीम के रिजर्व खिलाड़ियों में भी जगह नहीं मिली है। भारतीय टीम इंडिया में ऋषभ पंत और संजू सैमसन के रूप में दो विकेटकीपर बल्लेबाज शामिल हैं। राहुल ने 72 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 139 के स्ट्राइक रेट से 2265 रन बनाए हैं।

रवि बिश्नोई : लखनऊ सुपर जायंट्स के स्पिनर ने आईपीएल के इस सत्र में शानदार गेंदबाजी की है। बिश्नोई को टी20 में एक साल से ज्यादा समय तक रख गया। इसक बाद भी उन्हें जगह नहीं मिली। बिश्नोई ने अबतक 24 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 36 विकेट लिए हैं, वहीं आईपीएल के 61 मैचों में उनके 58 विकेट हैं।

ईशान किशन : आईपीएल में मुंबई इंडियंस की ओर से पारी की शुरुआत करने वाले ईशान का इस आईपीएल में स्ट्राइक रेट 165 से ज्यादा का रहा है। उन्हें दक्षिया अफ्रीका दौरे से अचानक ही नाम वापस लेने और घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के बाद से ही टीम से बाहर कर दिया गया था। माना जा रहा है कि इसी कारण उन्हें विश्वकप के लिए भी जगह नहीं मिली है।

रिंकू सिंह : रिंकू को मुख्य टीम में जगह नहीं मिली है। उन्हें रिजर्व खिलाड़ियों में रखा गया है. आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स की ओर से खेल रहे रिंकू फिनिशर की भूमिका निभाते हैं। वह अपनी आक्रामक अंदाज से कुछ ही समय में पास पलट देते हैं।

शुभमन गिल : युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को भी 15 सदस्यीय मुख्य टीम में जगह नहीं दी गई है हालांकि वह रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर टीम के साथ रहेंगे। शुभमन ने आईपीएल 2023 में 3 शतक और 4 अर्धशतक लगाकर कुल 890 रन बनाए थे। इसके बाद उन्हें आईपीएल 2024 में गुजरात टाइटंस का कप्तान बनाया गया हालांकि इस सत्र में वह आईपीएल में पिछले प्रदर्शन को दोहराने में विफल रहे हैं। आईपीएल के इस सत्र में शुभमन ने 10 मैचों में 320 रन बनाए हैं। वह बैकअप ओपनर के तौर पर टीम में शामिल हैं.

टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम में मुम्बई इंडियंस के सबसे अधिक खिलाड़ी शामिल

मुम्बई (ईएमएस)। आगामी टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम में शामिल खिलाड़ियों पर नजर डालें तो सबसे अधिक चार खिलाड़ी आईपीएल टीम मुम्बई इंडियंस से है। विश्वकप में आईपीएल की छह टीमों के खिलाड़ियों को जगह मिली है पर केकेआर और सनराइजर्स हैदराबाद सहित चार टीमों के एक भी खिलाड़ी को इसमें शामिल नहीं किया गया है। विश्वकप में भारतीय टीम की कप्तानी मुम्बई इंडियंस के रोहित शर्मा करेंगे। टीम के चयन में आईपीएल प्रदर्शन को भी ध्यान में रखा गया है। इसी कारण शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल जैसे खिलाड़ी टीम में भी टीम में शामिल किया गया है।

आईपीएल अंक तालिका में शीर्ष पर चल रही राजस्थान रॉयल्स के तीन खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल, संजू सैमसन, युजवेंद्र चहल को भी भारतीय टीम में जगह मिली है पर अंक तालिका में दूसरे नंबर पर कायम कोलकाता नाइटराइडर्स का एक भी खिलाड़ी इसमें शामिल नहीं है। आईपीएल में तीन बार 250 से अधिक रन बनाने वाली सनराइजर्स के किसी खिलाड़ी को भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है। इसके अलावा लखनऊ सुपरजायंट्स और गुजरात टाइटंस के खिलाड़ियों को भी शामिल नहीं किया गया है।

विश्वकप के लिए भारतीय टीम में

मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा और हार्दिक पंडया के अलावा सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह को भ जगह मिली है। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के 3 खिलाड़ियों में ऋषभ पंत, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव शामिली हैं।

वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) और चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के दो-दो और पंजाब किंग्स के एक खिलाड़ी को भारतीय टीम में जगह मिली है। आरसीबी के विराट कोहली, मोहम्मद सिराज और चेन्नई सुपरकिंग्स के शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा ने भारतीय टीम में जगह बनाई है। पंजाब किंग्स के अर्शदीप सिंह को भी टीम में रखा गया है।

आईपीएल में अब तक प्लेऑफ के लिए दो टीमों की दावेदारी हुई पक्की

मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल में प्लेऑफ की तस्वीर अब तक पुरी तरह से साफ नहीं हुई है। अधिकतर टीमें अब तक 9-9 मुकाबले खेल चुकी है और राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइटराइडर्स का जहां प्लेऑफ में पहुंचना तय नजर आ रहा है। वहीं 3 टीमें ऐसी हैं जिनके उपर लगातार बाहर होने का संकट मंडरा रहा है। इसमें से दो टीमों तो एक हार से ही बाहर हो जाएंगी। राजस्थान ही अकेले टीम है जिसके पास इस वक्त 16 अंक हैं और उसकी जगह पक्की हो चुकी है। वहीं केकेआर की टीम के 12वां अंक हासिल किया और उसकी दावेदारी भी अगले दौर के लिए मजबूत हो चुकी है। वहीं अंक तालिका में नीचे की तीन टीमों पर बाहर होने की तलवार लटकी हुई है।

इसमें मुंबई इंडियंस भी शामिल है। हार्दिक पंडया की कप्तानी में खेलने उतरी इस. टीम का प्रदर्शन अब तक सामान्य ही रहा है। इस टीम के पास 16 अंकों तक पहुंचने का मौका है पर 1 हार से वह बाहर हो जाएगी। वहीं पंजाब किंग्स के लिए भी हालात बिल्कुल ऐसे ही हैं 9 मैच खेलने के बाद टीम को 3 जीत मिली है पर वह बचे हुए 5 मैच जीतकर 16 अंकों तक पहुंच सकता है लेकिन अगर टीम को 1 हार भी मिली तो उसकी मुश्किलें बढ़ जाएंगी। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम के लिए हालात बेहद कठिन हैं. अपने बचे हुए सारे मैच जीतने के बाद भी टीम 14 अंकों तक ही पहुंच रही है। ऐसे में अगर उसे 1 भी हार मिली तो वह सीधा टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया ने टी20 विश्वकप के लिए मिचेल मार्श को बनाया कप्तान

सिडनी (ईएमएस)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने आगामी टी20 विश्वकप के लिए मिचेल मार्श को टीम का कप्तान बनाया है। सीए ने एक जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले विश्वकप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम में अनुभवी बल्लेबाज स्मिथ को शामिल नहीं किया गया है। इसके अलाव आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से धूम मचाने वाले बल्लेबजा जैक फ्रेजर मैकगर्क को भी जगह नहीं मिली है।

ऑस्ट्रेलिया की इस टीम में पैट कमिंस भी शामिली हैं पर उन्हें कप्तानी नहीं मिली है। वह एक तेज गेंदबाज के तौर पर रहेंगे।

टीम इस प्रकार है : मिचेल मार्श (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वॉर्नर और एडम ज़म्पा।

सेबी ने म्यूचुअल फंड खातों के लिए नॉमिनी करना वैकल्पिक बनाया

मुंबई (ईएमएस)। सेबी ने कारोबार सुगमता को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त रूप से रखे जाने वाले म्यूचुअल फंड खातों के लिए किसी व्यक्ति को नॉमिनी करना वैकल्पिक बना दिया है। साथ ही सेबी ने 'फंड हाउस' को जिंस और विदेशी निवेश की निगरानी के लिए एक ही 'फंड मैनेजर' रखने की अनुमति दी है। इससे उसके प्रबंधन की लागत कम होगी।

सेबी का यह कदम उसके द्वारा गठित एक कार्य समूह द्वारा म्यूचुअल फंड विनियमों की समीक्षा करने और कारोबार को आसान बनाने के लिए उपायों की सिफारिश करने के बाद उठाए हैं। कार्य समूह की सिफारिश के आधार पर सार्वजनिक परामर्श किया गया, जिसमें संयुक्त म्यूचुअल फंड खातों में किसी को नामित करने को वैकल्पिक बनाने और 'फंड हाउस' को जिंस तथा विदेशी निवेशों की देखरेख के लिए एक ही फंड मैनेजर रखने की अनुमति देने का विकल्प सुझाया गया।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा, तदनुसार यह निर्णय लिया गया है कि संयुक्त म्यूचुअल फंड फोलियो में किसी को नामित करना वैकल्पिक होगा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि संयुक्त धारकों के लिए किसी को नामित करने की आवश्यकताओं में छूट फायदेमंद होगी। इससे जीवित सदस्य नामित माना जाएगा जिससे नामांकन की प्रक्रिया सुगम बनेगी। नियामक ने सभी मौजूदा व्यक्तिगत म्यूचुअल फंड धारकों के लिए किसी व्यक्ति को नामित करने की आखिरी तारीख 30 जून 2024 तय की है। यदि वे इसका पालन करने में विफल रहते हैं, तब उनके खाते निकासी के लिए 'फ्रीज' कर दिए जाएंगे।

सेबी ने कहा कि जिंस आधारित कोष जैसे गोल्ड ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड), सिल्वर ईटीएफ और जिंस बाजार में भाग लेने वाले अन्य फंड के लिए समर्पित फंड मैनेजर की नियुक्ति वैकल्पिक होगी। साथ ही, विदेशी निवेश करने के लिए भी समर्पित फंड मैनेजर की नियुक्ति वैकल्पिक होगी।

ग्राहकों से अतिरिक्त चार्ज वसूलने वाले बैंकों पर हो रही सख्ती

नई दिल्ली(ईएमएस)। आरबीआई उन बैंकों पर शिकंजा कस रहा है जो ग्राहकों से अतिरिक्त फीस वसूल रहे हैं। आरबीआई का मकसद ये है कि बैंक जिम्मेदारी से लोन दें और सही तरीकों का पालन करें। इससे बैंकों और लोन लेने वालों दोनों की सुरक्षा होती है। असल समस्या ये है कि आरबीआई को पता चला है कि कुछ बैंक ग्राहकों को लोन की रकम देने से पहले ही उनसे ब्याज वसूल रहे हैं। ये गलत है और इससे लोन लेने वालों का नुकसान होता है। इसलिए आरबीआई ने बैंकों और दूसरे लोन देने वालों (जिन्हें विनियमित संस्थाएं कहा जाता है) को ये निर्देश दिया है कि वो लोन देने के अपने तरीकों को रिव्यू करें। इसमें ये शामिल है कि वो पैसा कैसे देते हैं (चेक से या खाते में ट्रांसफर करके) और ब्याज और दूसरी फीस कैसे वसूलते हैं?

रिजर्व बैंक ने पाया है कि कुछ बैंक लोन देते समय ग्राहकों से अनुचित तरीके से ब्याज वसूल रहे थे। उदाहरण के लिए, लोन स्वीकृत होने के बाद या लोन की रकम का चेक देने में देरी होने पर भी ब्याज लगाया जा रहा था। मतलब आप उन पैसों पर ब्याज दे रहे थे जो आपको अभी तक मिले भी नहीं थे! इसी तरह, कुछ मामलों में पूरे महीने का ब्याज लिया गया, भले ही आपने लोन महीने के बीच में लिया या चुकाया हो। यहां तक कि अगर आपने लोन का कुछ हिस्सा पहले चुका दिया, तो भी पूरी रकम पर ब्याज लगाया जा रहा था। इन सब गलत प्रैक्टिस को रोकने के लिए आरबीआई ने सख्त कदम उठाए हैं। बैंकों को अब इन तरीकों का इस्तेमाल बंद करना होगा और अगर उन्होंने इससे पहले ऐसा किया है, तो ग्राहकों को अतिरिक्त वसूला गया ब्याज वापस करना होगा। यह कदम, मार्च 2024 में की गई जांच के बाद उठाया गया है। जहाँ पे पाया कि कई बैंक लोन संबंधी ब्याज वसूली में गलत प्रैक्टिस का इस्तेमाल कर रहे थे। आरबीआई का कहना है कि ये प्रैक्टिस ग्राहकों के साथ निष्पक्ष और पारदर्शी व्यवहार के सिद्धांतों के खिलाफ हैं।

आईपीएल में आज राजस्थान रॉयल्स से मुकाबला करेगी सनराइजर्स, शाम 7 : 30 से होगा मुकाबला

हैदराबाद (ईएमएस)। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आईपीएल में गुरुवार को अपने घरेलू मैदान पर राजस्थान रॉयल्स का सामना करेगी। इस मैच में सनराइजर्स भले ही अपने घरेलू मैदान पर खेल रही हो लेकिन इस मैच में जीत के लिए कप्तान संजू सैमसन की राजस्थान को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। इसका कारण ये है कि राजस्थान ने अबतक खेले गये 9 मुकाबलों में से 8 जीते हैं। ऐसे में वह 16 अंक लेकर शीर्ष पर है। इसके साथ ही उसके बल्लेबाज और गेंदबाज शानदार फार्म में हैं। वहीं दूसरी और इस सत्र की शुरुआत में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से धमाका करने वाली कप्तानी पैट कमिंस की सनराइजर्स बाद के मैचों में असफल रही है। उसने अब तक पांच मैच जीते हैं जबकि चार में उसे हार का सामना करना पड़ रहा है। इस प्रकार 10 अंक लेकर वह पांचवें नंबर पर है। पिछली कुछ हारों से उसका मनोबल भी गिरा है और टीम लक्ष्य का सामना करने में विफल रही है।

ऐसे में सनराइजर्स के लिये अपनी प्लेऑफ की संभावनाएं बनाये रखने इस मैच में जीतना जरूरी है। रॉयल्स ने पहले ही प्लेऑफ के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। सनराइजर्स के शीर्ष और मध्यक्रम के बल्लेबाज लक्ष्य का पीछा करते हुए अब तक असफल रहे हैं यहां तक कि कोच डेनियल विटोरी ने भी माना है कि लक्ष्य का पीछा करते हुए अति आक्रामक खेलने की रणनीति से उसे हार मिली है।

सनराइजर्स ने इस सत्र में पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन बार 250 से अधिक स्कोर बनाया पर वह लक्ष्य का पीछा करते हुए 200 से अधिक का स्कोर एक बार भी हासिल नहीं कर पायी। मुख्य कोच विटोरी ने आरसीबी से मिली हार के बाद कहा था ,'' हम लक्ष्य देने में सफल रहे हैं पर अब हमें लक्ष्य का पीछा करना भी सीखना होगा।'' सनराइजर्स की टीम इस सत्र में अब तक बल्लेबाजी में ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा पर काफी निर्भर रही है। ऐसे में अगर ये रन नहीं बना पाते हैं तो टीम बिखर जाती है।

उसके अनुभवी बल्लेबाज एडेन मार्करम भी अब तक रन नहीं बना पाये हैं। वहीं रॉयल्स का अब तक का सफर जबरदस्त रहा है। पहले सत्र की विजेता टीम ने हर विरोधी टीम के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया है। उसके पास कप्तान संजू सैमसन के अलावा जोस बटलर, यशस्वी जायसवाल और जैसे शानदार बल्लेबाज हैं। इसके अलावा शिमरोन हेटमायेर और रोवमैन पॉवेल, रियान पराग और ध्रुव जुरेल ने भी काफी रन बनाये हैं। गेंदबाजी की बात करें तो टीम के पास ट्रेंट बोल्ट जैसा तेज गेंदबाज व आवेश खान व संदीप शर्मा हैं जैसे युवा गेंदबाज है। स्पिन की कमान युजवेन्द्र चहल संभालेंगे। चहल ने अब तक काफी अच्छी गेंदबाजी की है।

दूसरी ओर रॉयल्स की बल्लेबाजी अब तक अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, हेनरिच क्लासेन और नीतिश रेड्डी व मयंक अग्रवाल पर आधारित रही है। उसके गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार, मार्को यानसेन और स्पिनर टी नटराजन अब तक प्रभावित नहीं कर पाये हैं।

सार्वजनिक निवेश ने भारत को दुनिया की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था बनाया

नई दिल्ली(ईएमएस)। मजबूत सार्वजनिक निवेश ने भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना दिया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कहा कि भारत और चीन के उच्च वृद्धि के अनुमानों के कारण इस क्षेत्र के वृद्धि अनुमान को बढ़ाया गया है। कोष ने 2024 में इस क्षेत्र का वृद्धि अनुमान 0.3 फीसदी बढ़ाकर 4.5 फीसदी कर दिया है जबकि इस क्षेत्र की 2023 में 5 फीसदी की ही बढ़ोतरी हुई थी।

आईएमएफ के अनुसार एशिया और प्रशांत विभाग के निदेशक कृष्ण श्रीनिवासन ने कहा कि भारत और चीन के लिए अनुमानों को बेहतर किया गया है। चीन में नीतियों से मदद मिलने की उम्मीद है। हालांकि भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनाने में घरेलू और सार्वजनिक निवेश का प्रमुख योगदान है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2024-25 के प्रस्तावित अंतरिम बजट में पूंजीगत व्यय को 16.9 फीसदी बढ़ाकर रिकार्ड 11.11 लाख करोड़ रुपए कर दिया था। आईएमएफ ने अपने वैश्विक अर्थव्यवस्था के नजरिये (डब्ल्यूईओ) में भारत के 2024-25 के जीडीपी में बढ़ोतरी के अनुमान को 30 आधार अंक बढ़ाकर 6.8 फीसदी कर दिया था। रिपोर्ट के अनुसार कि भारत और फिलिपींस की जबरदस्त घरेलू मांग से हुई बढ़ोतरी ने आश्चर्यचकित किया है।

आईएमएफ ने भारत के जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को वित्त वर्ष 2024 के लिए बढ़ाकर 7.8 फीसदी कर दिया जबकि जनवरी की सभी रिपोर्ट में अनुमान 6.7 फीसदी था। आईएमएफ का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026 में देश की आर्थिक वृद्धि का अनुमान गिरकर 6.5 फीसदी हो जाएगा और यह जनवरी के अनुमान के अनुरूप है। आईएमएफ को चीन के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि 2023 के 5.2 फीसदी से गिरकर 2024 में 4.6 फीसदी होने का अनुमान है।

यूएई में फिर भारी बारिश का अलर्ट.....सरकार ने लोगों से की अपील

दुबई (ईएमएस)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) इस हफ्ते फिर से भारी बारिश का सामना कर सकता है। यह देखकर सऊदी सरकार ने लोगों से सावधानी बरतने और बेवजह घर से ना निकलने के लिए कहा गया है। अधिकारियों को उम्मीद है कि मौसम की स्थिति पिछले महीने की तरह गंभीर नहीं होगी लेकिन सुरक्षा संबंधी सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। नेशनल इमरजेंसी क्राइसिस और आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनसीईएमए) ने बारिश के पूर्वानुमान को देखकर बैठक की है। बैठक में यूएई के आंतरिक मंत्रालय (एमओआई), राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (एनसीएम) और दूसरे सरकारी विभागों के अफसर भी शामिल थे। रिपोर्ट के मुताबिक, बैठक में सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने, परेशानी को कम करने के लिए और व्यवसाय को कम से कम नुकसान हो, इस पर चर्चा की गई। एनसीएम ने बताया कि बीते महीने जिस तरह से भारी बारिश हुई, उस तरह से मौसम रहने की उम्मीद इस बार नहीं है। बुधवार रात से गुरुवार तक यूएई के कई इलाकों में मध्यम से भारी बारिश होगी। बारिश के साथ कुछ इलाकों में ओले गिरने और बिजली कड़कने की संभावना है। वहीं शुक्रवार और शनिवार को बादल छंटने और हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने का अनुमान है। दक्षिणी और पूर्वी क्षेत्रों में तेज बारिश हो सकती है। आंतरिक मंत्रालय ने बारिश के पूर्वानुमान पर कहा है कि आंतरिक सुरक्षा के लिए सर्वोच्च समिति, मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता में काम कर रही है। टीम मौसम की स्थिति के विकास और अपडेट की लगातार निगरानी कर रही है ताकि किसी भी स्थिति से निपटा जा सके। मंत्रालय ने बताया है कि बारिश से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में सभी जरूरी उपाय किए हैं।

चीन में बारिश से धंसा हाईवे, 19 लोगों की मौत

बीजिंग(ईएमएस)। चीन के मीझोउ शहर में भारी बारिश से हाईवे का एक हिस्सा ढह जाने से उसमें कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई। बचावकर्मियों ने 30 लोगों को अस्पताल पहुंचाया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस इलाके में पिछले कुछ कई दिनों से भारी बारिश हो रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि चीन के गुआंगडोंग प्रांत में मीझोउ शहर और डावू काउंटी के बीच सड़क का एक हिस्सा देर रात करीब 2:10 बजे धंस गया। इस घटना के कारण 18 वाहन फंस गए और 31 लोगों को घटनास्थल से बचाया गया और अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि उन्होंने एक तेज आवाज सुनी और उन्होंने देखा कि सड़क पर कई मीटर चौड़ा एक गड्ढा हो गया। इस हादसे के बाद रास्ते को बंद कर दिया गया है।

यदि मोदी फिर पीएम बने तो पीएलआई स्कीम का बेहतर ढंग से क्रियान्वयन होगा!

नई दिल्ली(ईएमएस)। निवेशकों को लगता है कि लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद अगर पीएम नरेंद्र मोदी को तीसरा कार्यकाल मिलता है तो उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई स्कीम) योजना का बेहतर ढंग से क्रियान्वयन हो सकता है। एक रिपोर्ट में कहा कि पीएलआई बेहतर ढंग से लागू होने पर भारत निर्यात का हब बनेगा, सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में वृद्धि होगी और सरकार संचालित उद्यमों का निजीकरण होगा।

देश में सात चरणों में आम चुनावों की शुरुआत 19 अप्रैल से हो चुकी है और अभी दो चरणों का मतदान हो चुका है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जनमत सर्वेक्षणों में आम सहमति से बीजेपी नेतृत्व वाला एनडीए के पूर्ण बहुमत के साथ वापस आने की उम्मीद जताई गई है। सरकार में बदलाव होने की स्थिति में 2004 की तरह अल्प अवधि में शेयर बाजार में गिरावट आ सकती है। हालांकि ऐसे में महत्वपूर्ण यह है कि मध्यम अवधि के लिए सरकार स्थिर रहे। फ्रांस के बैंकिंग समूह ने कहा कि 2018-19 के बाद निवेश चक्र में बदलाव जारी है जबकि इसमें महामारी यानी कोविड19 के दौरान 2020 और 2021 के दौरान बाधा आई थी।

रिपोर्ट के मुताबिक यह मोदी सरकार की उपलब्धि है कि उसने पिछले चार साल में पूंजीगत व्यय को करीब 100 फीसदी बढ़ा दिया। आने वाले समय में सरकार को राजकोषीय घाटे को तीन फीसदी के दायरे के करीब रखने के लिए वृद्धि दर को कम करना पड़ सकता है। हालांकि आय वृद्धि की सतत मदद के लिए पूंजीगत व्यय की वृद्धि पर नजर रखनी होगी। पीएलआई योजना को शुरू किए जाने के तीन वर्ष बाद यह अनुदान लिए जाने में गिरावट आई है।

रिपोर्ट में सरकारी आंकड़े के अनुसार पीएलआई योजना से करीब 100 अरब डॉलर की बिक्री की है। यह बिक्री इस योजना की शुरुआत के अनुमान से करीब 20 फीसदी कम है। हालांकि ऐपल आईफोन के अच्छे निर्यात और टेस्ला से बातचीत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुछ उल्लेखनीय सफलताएं हैं। लिहाजा भारत में अधिक विदेशी कंपनियों के संचालन शुरू करने के साथ पीएलआई योजना के लक्ष्यों को वास्तविक रूप से हासिल करना देखने लायक होगा।

राफा पर इजरायली हमला असहनीय होगा, हजारों लोग मारे जाएंगे

-संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने हमले को रोकने इजराइल पर अंतर्राष्ट्रीय दबाव बनाने की अपील की

संयुक्त राष्ट्र(ईएमएस)। इजराइल-हमास में युद्धविराम की संभावना के बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू राफा में सेना भेजने के अपने दृढ़ संकल्प पर अड़े हुए है। उधर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने उस क्षेत्र पर हमले को रोकने के लिए इजराइल पर अंतर्राष्ट्रीय दबाव की अपील की है। राफा में 12 लाख से ज्यादा फिलिस्तीनी शरण लिए हुए हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि मैं इजरायल पर प्रभाव रखने वाले सभी लोगों से राफा पर इजराइल हमले को रोकने के लिए अपनी शक्ति में सब कुछ करने की अपील करता हूं। उन्होंने कहा कि राफा पर सैन्य हमला असहनीय है, जिसमें हजारों आम लोग मारे जाएंगे और हजारों लोगों को भागने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। वह क्षेत्र जहां 12 लाख से ज्यादा लोग अब राफा गवर्नरेट में शरण मांग रहे हैं, उनमें से अधिकांश इजरायली बमबारी के कारण भाग रहे हैं। अभी तक इजरायल-हमास युद्ध में 34,000 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं जिसकी पूरी दुनिया ने इजराइल की इस कार्रवाई का विरोध किया है।

इस बीच नेतन्याहू ने कहा कि हम राफा में घुसेंगे और जीत हासिल करने के लिए समझौते के साथ या उसके बिना, हमास की बटालियनों को खत्म कर करेंगे। यह बयान अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की इजरायल यात्रा से पहले आया। जहां उनसे राफा पर हमले के कारण अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के विरोध को बुलंद करने की उम्मीद है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस ने चेतावनी दी कि राफा में इजरायली घुसपैठ से कब्जे वाले वेस्ट बैंक और व्यापक क्षेत्र पर गंभीर असर होगा। अमेरिका और उसके सहयोगी इजरायल और हमास को एक समझौते पर लाने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे युद्धविराम हो सके और अक्टूबर में इजरायल पर हमले में आतंकवादी संगठन द्वारा अपहरण किए गए कुछ बंधकों को रिहा किया जा सके। इसको लेकर बातचीत जारी है।

अमेरिका को पन्नू हत्या में भारत सरकार से जवाबदेही की उम्मीद, वाशिंगटन पोस्ट के आरपों को भारत ने किया खारिज

वाशिंगटन(ईएमएस)। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू मामले में अमेरिकी आरोप के बाद दोनों देशों के बीच सवाल-जवाब का दौर जारी है। वाशिंगटन पोस्ट के आरपों को भारत ने खारिज कर दिया इसके बाद अमेरिका ने इसपर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि उसे भारतीय सरकार से जवाबदेही की उम्मीद है।

अमेरिकी विदेश विभाग के एक अधिकारी ने कहा है कि गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश से संबंधित आरोपों की जांच में संयुक्त राज्य अमेरिका भारत के साथ नियमित रूप से काम कर रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग के वेदांत पटेल की टिप्पणी वाशिंगटन पोस्ट द्वारा अज्ञात स्रोतों का हवाला देते हुए पिछले साल अमेरिकी में पन्नू को मारने की कथित साजिश के संबंध में रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के एक अधिकारी का नाम लेने के बाद आई है। भारत ने मंगलवार को वाशिंगटन पोस्ट के आरपों को दृढ़ता से खारिज कर दिया और कहा कि रिपोर्ट में एक गंभीर मामले पर अनुचित और निराधार आरोप लगाए गए हैं और मामले की जांच चल रही है।

केन्या में भारी बारिश और बाढ़ से 169 लोगों की मौत, कई लापता

नैरोबी(ईएमएस)। केन्या में भारी बारिश और विनाशकारी बाढ़ ने सैकड़ों लोगों की जान ले ली है और कई लापता हैं। भारी बारिश के कारण मुख्य सड़कें भी कट गईं। पूरे देश में व्यापार बाधित हुआ और स्कूल बंद कर दिए गए।

एक रिपोर्ट के अनुसार सरकार के प्रवक्ता इसाक मवौरा ने बताया कि पश्चिमी केन्या के माई माहिउ शहर में सोमवार सुबह एक बांध टूटने से 48 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य प्रभावित हुए हैं। इसाक मवौरा ने कहा कि बारिश से कम से कम 169 लोगों की मौत हो चुकी है। कई लापता हैं। सरकार ने लापता लोगों की तलाश के लिए खोज और बचाव अभियान तेज कर दिया है। पूर्वी अफ्रीकी देश में अल नीनो के कारण भारी बारिश हो रही है। केन्या मौसम विभाग ने कहा है कि यह बारिश इस सप्ताह भी जारी रहेगी, साथ ही कुछ इलाकों में बाढ़ और जमीन धंसने की भी संभावना है।

केन्या में हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण नैरोबी, मकुएनी, वेस्ट पोकोट और मचाकोस काउंटियों में बड़ी बाढ़ आई है। बाढ़ से जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। मुख्य सड़कें से संपर्क टूट गया है और देश में व्यापार पूरे तरह बाधित है स्कूल बंद कर दिए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि आपातकालीन टीम बाढ़ से निपटने में केन्याई लोगों की मदद के लिए कई उपायों को लागू कर रही है, जिसमें भोजन, सुरक्षित पेयजल, स्वास्थ्य आपूर्ति और बचाव प्रयास शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यहां मार्च, अप्रैल और मई के बीच बारिश होती है, लेकिन अब जलवायु परिवर्तन के कारण यह सामान्य से ज्यादा हो रही है जिसके कारण काफी नुकसान हुआ है।

मंडियों में अरहर दाल के दाम बढ़ने से खुदरा बाजार में आया उछाल

नई दिल्ली(ईएमएस)। अरहर यानी तुअर दाल के भाव कम नहीं हो रहे हैं। इससे लोग काफी परेशान है। क्योंकि हमारे देश में अरहर दाल की खपत ज्यादा है। पिछले साल से अरहर की कीमतों में आई तेजी आज भी बनी हुई है। इस साल अरहर के थोक भाव 12,000 रुपए क्विंटल को पार कर चुके हैं। अप्रैल माह में भी मंडियों में अरहर के दाम बढ़े रहे। अरहर के थोक भाव बढ़ने से खुदरा बाजार में अरहर दाल की खुदरा कीमत 200 रुपये किलो पार कर चुकी है।

मंडियों में इस माह अरहर की कीमतों में तेजी देखने को मिली। महाराष्ट्र की प्रमुख मंडी अकोला में एक अप्रैल को अरहर के थोक भाव 10,700 से 10,850 रुपये थे, जो अब बढ़कर 12,000 से 12,200 रुपए क्विंटल तक पहुच गए हैं। मंडी में अरहर दाल के थोक भाव 14,400-15,400 रुपए से बढ़कर 16,100-17,300 रुपये क्विंटल हो गए हैं। दिल्ली की मंडी में अरहर दाल के थोक भाव 1,300 रुपए बढ़कर 16,500-16,600 रुपये क्विंटल हो चुके हैं।

मंडियों में अरहर की कीमतों में तेजी का असर खुदरा बाजार पर भी दिख रहा है। आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में अरहर दाल की औसत खुदरा कीमत इस माह 157 रुपए से बढ़कर 170 रुपए, महाराष्ट्र में 159.74 से बढ़कर 167.63 रुपए, मध्य प्रदेश में 150.46 से बढ़कर 157.02 रुपए और यूपी में 143.92 से बढ़कर 147.56 रुपए किलो हो गई है। देशभर में अरहर(तुअर) की औसत खुदरा कीमत इस माह 149.23 रुपए से बढ़कर 152.73 रुपए हो गई है और इसकी अधिकतम खुदरा कीमत 203 रुपए किलो है।

कमोडिटी विश्लेषकों के अनुसार सरकार की तमाम कोशिशों के बाद भी अरहर दाल के दाम बढ़ रहे हैं। अरहर की आपूर्ति कमजोर है क्योंकि अरहर का उत्पादन कम हुआ है। इसलिए अरहर दाल महंगी हुई है। एक और कमोडिटी विश्लेषक ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में अरहर दाल के आयात में करीब 10 फीसदी कमी आई है जिससे अरहर के दाम बढ़ रहे हैं। जानकारों के मुताबिक अरहर की आवक कम होने से भी इसकी कीमतों में तेजी को बल मिला है। पिछले साल की तुलना में इस अप्रैल माह में अरहर की आवक में करीब 18 फीसदी कमी है।

लंदन में मेयर पद के लिए चुनाव आज, हिंदुस्तानी की टक्कर पाकिस्तानी से

लंदन(ईएमएस)। ब्रिटेन की राजधानी लंदन के मेयर पद के लिए आने वाली 2 मई को चुनाव होना है। उम्मीदवारों में एक नाम तरुण गुलाटी का है, जो वर्तमान मेयर सादिक खान को चुनौती दे रहे हैं। खास बात ये है कि मेयर के रूप में दो कार्यकाल पूरा कर चुके सादिक खान जहां पाकिस्तानी मूल के हैं, वहीं तरुण गुलाटी का जन्म भारत में हुआ है। यानी इस बार हिन्दुस्तानी की टक्कर सीधे पाकिस्तानी से है। लंदन मेयर पद के लिए मैदान में उतरे 13 उम्मीदवारों में गुलाटी एकमात्र भारतीय हैं। गुलाटी को यकीन है कि वे खान को चुनाव में शिकस्त दूंगा।

मूल रूप से दिल्ली के ग्रेटर कैलाश 2 के रहने वाले गुलाटी का मानना है कि वे इस पद के प्रतिस्पर्धा कर रहे 13 उम्मीदवारों में सबसे आगे हैं। गुलाटी ने उन सर्वे को खारिज कर दिया है, जिसमें फिर से सादिक खान की जीत की संभावना है। गुलाटी ने दावा किया है कि बहुत सीमित संसाधनों में लोगों को शामिल करके सर्वे किया गया है।

63 वर्षीय इनवेस्टमेंट बैंकर और बिजनेसमैन तरुण गुलाटी का जन्म दिल्ली में हुआ है। उन्होंने जयपुर यूनिवर्सिटी से पढ़ाई के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय से एमबीए की डिग्री हासिल की है। वे एचएसबीसी बैंक के साथ जुड़े रहे हैं, जहां उन्होंने इंटरनेशनल मैनेजर के रूप में काम किया। 2006 में लंदन में स्थायी रूप से बसने के पहले वे एशिया प्रशांत, मध्य पूर्व, अफ्रीका में रह चुके हैं। इस दौरान उन्होंने ब्रिटेन सहित छह देशों में काम किया। गुलाटी वर्तमान में लंदन स्थित कंपनी स्क्वॉयर्ड वॉटरमेलन लिमिटेड के अध्यक्ष और सीईओ हैं। इसके साथ ही वे लंदन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री एशियन बिजनेस एसोसिएशन की सेवारत समिति के सबसे लंबे समय तक सदस्य और पूर्व उपाध्यक्ष भी हैं। गुलाटी का दावा है कि उन्हें मुसलमानों सहित एशियाई मतदाताओं का समर्थन हासिल है। वे खुद को गाजा के लिए सबसे मजबूत आवाज बताते हैं।

दो बच्चों के पिता गुलाटी अपनी जीत का दावा कर कहा हैं कि लोग चाहते हैं कि लंदन को चलाने वाला अलग व्यक्ति हो और वहां मैं हूं क्योंकि मैं राजनेता नहीं हूं। मैंने बड़े व्यवसाय चलाए हैं। मैं कई बोर्डों पर बैठ चुका हूं। मैं नया पैसा लाऊंगा। मैं पैसे को समझता हूं, जो दूसरों को नहीं पता। मेरे लिए लंदन एक वैश्विक बैंक की तरह है।

ज्यादा चेक फाड़ना पड़ेगा महंगा, अतिरिक्त लेन-देन पर देना होगा शुल्क

नई दिल्ली(ईएमएस)। इस महीने से बैंकों ने सेवा शुल्क एवं अतिरिक्त सेवाओं पर लगने वाले चार्ज में बदलाव किया है। इससे मई के महीने में आम आदमी की जेब थोड़ी ढीली हो सकती है। क्योंकि, कुछ बैंक बचत खाता सेवाओं पर शुल्क में संशोधन करेंगे, जबकि अन्य ने क्रेडिट कार्ड के जरिए यूटिलिटी पेमेंट पर सेस लगाने का फैसला किया है। आईसीआईसीआई बैंक और यस बैंक ने कहा था कि वे 1 मई से सेविंग अकाउंट्स के लिए अपने शुल्कों में संशोधन करेंगे।

आईसीआईसीआई बैंक ने बचत खाता सर्विसेज के शुल्क में संशोधन किया है, जो 1 मई से प्रभावी है। इसमें डेबिट कार्ड पर प्रति वर्ष 200 रुपये तक की वार्षिक फीस शामिल है। हालांकि, ग्रामीण स्थानों के लिए यह चार्ज 99 रुपये प्रति वर्ष है। चेक बुक पर, एक वर्ष में 25 चेक लीफलेट के लिए शुल्क शून्य होगा और इससे अधिक पर, बैंक 4 रुपये प्रति लीफ चार्ज करेगा।

बैंक आईएमपीएस ट्रांसेक्शन के लिए ट्रांसफर अमाउंट के अनुसार प्रति लेनदेन 2.5 रुपये से 15 रुपये के बीच शुल्क लेगा। इसके अलावा, बैंक डिमांड ड्राफ्ट या पे ऑर्डर को रद्द करने, डुप्लिकेट या रिवेलिडेशन के लिए बैंक 100 रुपये चार्ज करेगा। बैंक साइन वेरिफिकेशन के लिए प्रति आवेदन या पत्र पर 100 रुपये और बैंक शाखा के माध्यम से किसी विशेष चेक के भुगतान को रोकने के लिए 100 रुपये (ग्राहक सेवा आईवीआर और नेट बैंकिंग के माध्यम से निःशुल्क) शुल्क लेगा। यस बैंक ने 1 मई से प्रभावी बचत खाता सेवाओं पर शुल्क को संशोधित करने का ऐलान किया है। यस बैंक ने अलग-अलग तरह के सेविंग अकाउंट्स के मिनिमम एवरेज बैलेंस में परिवर्तन किया है। अब यस बैंक के प्रो मैक्स सेविंग अकाउंट्स के लिए मिनिमम एवरेज बैलेंस 50,000 रुपये हो गया है और मैक्सिमम चार्ज में बदलाव कर 1,000 रुपये कर दिया गया है।

वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक उत्पादन को सीमित करने पर चर्चा, प्लास्टिक प्रदूषण पर चल रही चौथे दौर की बातचीत खत्म

ओटावा(ईएमएस)। प्लास्टिक का उपयोग रोकने के लिए, भारत ही नहीं पूरा विश्व ही कोशिश कर रहा है इससे हमारी धरती के साथ-साथ मानव जाति को भी नुकसान पहुंच रहा है। दुनिया में प्लास्टिक प्रदूषण खत्म करने के लिए कनाडा में पहली बार वैश्विक संधि के लिए संभावित मसौदे पर बातचीत हुई। हालांकि कई देश इस बात पर बंटे हुए थे कि क्या प्लास्टिक उत्पादन पर वैश्विक सीमा तय की जाए। इसके साथ प्लास्टिक प्रदूषण पर चल रही चौथे दौर की बातचीत भी खत्म हो गई।

पर्यवेक्षकों ने इस बातचीत को स्वागत योग्य संकेत बताते हुए कहा है कि इस बात पर चर्चा हो रही है कि संधि में किन शब्दों को शामिल किया जाए। ओटावा, सत्र की समाप्ति पर समिति संधि पर काम जारी रखने पर सहमत हुई है। संधि पर आखिरी बैठक इस साल दक्षिण कोरिया में होगी। बातचीत में वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक के उत्पादन को सीमित करना सबसे अहम मुद्दे के तौर पर उभरा। प्लास्टिक का उत्पादन करने वाले देशों और कंपनियों के अलावा तेल और गैस का निर्यात करने वाले देशों ने इस पर आपत्ति की। दुनियाभर में सबसे ज्यादा प्लास्टिक जीवाश्म ईंधन और रसायन से बनाया जाता है।

इंटरनेशनल काउंसिल आफ केमिकल एसोसिएशन के प्रवक्ता हैरिस ने कहा कि समिति के सदस्य ऐसी संधि चाहते हैं जिसमें प्लास्टिक की रीसाइक्लिंग और रीयूज पर फोकस किया जाए। उन्होंने कहा कि वे नहीं चाहते हैं कि प्लास्टिक के उत्पादन को सीमित किया जाए और उनका कहना था इस समझौते के जरिये रसायन का नियमन नहीं किया जाना चाहिए।

बता दें कि प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करने के लिए पहली बैठक 2022 में दिसंबर में उरुग्वे के पुंटा डेल एस्टे में हुई थी। इसके बाद बातचीत का दूसरा दौर 2023 में मई से जून के बीच पेरिस में रखा गया था। वहीं तीसरा सत्र नवंबर 2023 के बीच नैरोबी में आयोजित किया गया था। अब इसके बाद बैठक इस साल दक्षिण कोरिया में होगी।

अमेरिका को आंखें दिखा रहे चीन ने विमानवाहक पोत फुजियन को परीक्षण के लिए समुद्र में उतारा

बीजिंग(ईएमएस)। चीन के पहले सुपर कैरियर फुजियन ने समुद्री परीक्षण का दौर शुरू कर दिया है। इस संबंध में रिपोर्ट दावा करती हैं कि चीन का तीसरा विमानवाहक पोत फुजियन पहली बार परीक्षण के लिए समुद्र में उतरा है। विशेषज्ञों का तर्क है कि फुजियन का परीक्षण अमेरिका के साथ सैन्य अंतर को कम करने की चीन की क्षमता में महत्वपूर्ण कदम होगा। ये इसलिए भी अहम है क्योंकि ताइवान के मुद्दे पर चीन और अमेरिका में तनातनी है। चीन का फुजियन पारंपरिक रूप से संचालित है। इसमें अमेरिकी नौसेना के सेवा में सबसे परिष्कृत वाहक यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड के बराबर एक विद्युत चुम्बकीय प्रक्षेपण प्रणाली है। फुजियन के लिए समुद्री परीक्षणों की शुरुआत विकास पथ में नवीनतम मील का पत्थर होगी। फुजियन की तैनाती चीन की समुद्री क्षमताओं को बढ़ाने और भारत-प्रशांत क्षेत्र में अपने प्रभाव का दावा करने के रणनीतिक उद्देश्यों में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापोल्ट्स से लैस चीन का पहला सुपरकैरियर माना जाने वाला यह युद्धपोत चांगक्सिंग द्वीप पर जियांगनान में अपनी बर्थ से रवाना हुआ था। इस चीनी युद्धपोत को अमेरिकी नौसेना के गेराल्ड आरफोर्ड के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है। फुजियन का अपने पहले समुद्री परीक्षण के लिए उतरना विमान वाहक के विकास में चीन का एक महत्वपूर्ण कदम है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कई टगबोटों की सहायता से जहाज को अपनी बर्थ से बाहर निकल गया। ट्विटर पर शेयर कुछ तस्वीरों में कहा गया है कि यह समुद्री परीक्षण से पहले आतिशबाजी भी की गई। हालांकि समुद्री परीक्षण शुरू हुआ है या नहीं, इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। कुछ तस्वीरों में फुजियन को उसके मूल बर्थ के पास यांग्त्जी नदी डेल्टा में तैनात दिखाया गया है। पहले इस युद्धपोत के 23 अप्रैल को चीनी नौसेना की सालगिरह पर यात्रा शुरू करने की उम्मीद थी लेकिन इसे अब निकाला गया है। फुजियन के लिए समुद्री परीक्षणों की शुरुआत विकास पथ में नवीनतम मील का पत्थर होगी। फुजियन की तैनाती चीन की समुद्री क्षमताओं को बढ़ाने और भारत-प्रशांत क्षेत्र में अपने प्रभाव का दावा करने के रणनीतिक उद्देश्यों में महत्वपूर्ण योगदान देगी। फुजियन 80,000 टन से अधिक के पूर्ण विस्थापन के साथ चीन का सबसे बड़ा युद्धपोत है। जून 2022 में लॉन्च किया गया यह देश का तीसरा विमान वाहक है। ये दिशात्मक उपकरणों से लैस घरेलू स्तर पर विकसित पहला चीनी वाहक है। इसमें कैटापल्ट लॉन्च सिस्टम का उपयोग चीन की नौसैनिक क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण छलांग का प्रतीक है।

सेबी ने एनआरआई, एमएफ के लिए नियमों में दी ढील, प्रवासियों की निवेश सीमा भी बढ़ाई

नई दिल्ली(ईएमएस)। सेबी ने कहा, 'एफपीआई द्वारा सभी एनआरआई/ओसीआई के स्थायी खाता क्रमांक की प्रति जमा कराने के साथ ही एफपीआई में उनके आर्थिक हित की जानकारी देने की शर्त पर ही 100 फीसदी योगदान की अनुमति होगी।' बाजार के विशेषज्ञों का मानना है कि एनआरआई/ओसीआई के लिए उदार व्यवस्था से गिफ्ट सिटी में कोष पारिस्थितिकी को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही विदेश में बसे भारतीयों से वाजिब निवेश आकर्षित करने में भी मदद मिलेगी। किसी वैश्विक कोष में एनआरआई और ओआईसी की समेकित हिस्सेदारी 50 फीसदी से कम होती है जबकि अकेले एनआरआई या ओसीआई के लिए 50 फीसदी की सीमा तय की गई है। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने प्रवासी भारतीयों को गिफ्ट सिटी में स्थित वैश्विक कोष में 100 फीसदी स्वामित्व की आज मंजूरी दे दी। इसके साथ ही पैसिव फंडों को समूह की कंपनियों में ज्यादा निवेश की भी अनुमति दी गई है। वर्तमान में प्रवासी भारतीयों और भारत के विदेशी नागरिक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक में 50 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी नहीं रख सकते हैं। ज्यादा निवेश की अनुमति से घरेलू शेयरों में प्रवासी भारतीयों की ओर से अधिक निवेश आने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

वर्तमान में म्युचुअल फंड की योजनाएं समूह कंपनियों में अपनी शुद्ध संपत्ति मूल्य का 25 फीसदी से ज्यादा निवेश नहीं कर सकती हैं। हालांकि यह सीमा को कुछ शर्तों के साथ 35 फीसदी तक बढ़ा दी गई है। सेबी ने एक अन्य फैसले में फंड मैनेजर और फंड हाउसों को डीलरों एवं फंड मैनेजरों द्वारा सभी बातचीत को रिकॉर्ड करने की आवश्यकता के मद्देनजर फ्रंट-रनिंग को रोकने के लिए एक संस्थागत ढांचा तैयार करने का भी निर्देश दिया है। बाजार नियामक परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी के प्रबंधन पर अधिक जिम्मेदारी एवं जवाबदेही डालते हुए फंड हाउस को व्हिसल ब्लोअर की व्यवस्था बनाए रखने के लिए बाध्य करेगा।

बैंकों की एनबीएफसी को उधारी, व्यक्तिगत ऋण में सुस्ती

नई दिल्ली(ईएमएस)। बैंकों की गैरबैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को उधारी मार्च 2024 में सालाना आधार पर गिरकर 15.3 फीसदी हो गई जबकि एक साल पहले की अवधि में 29.9 फीसदी थी। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक के जारी आंकड़े में दी गई। नियामक ने बीते साल नवंबर में असुरक्षित ऋण के जोखिम से निपटने के लिए भारांक 100 फीसदी से बढ़ाकर 125 फीसदी कर दिया था। बैंकों के एनबीएफसी के जोखिम भारांक के 100 से फीसदी कम होने की स्थिति में भी 25 आधार अंक बढ़ा दिया गया था। मार्च 2024 में सालाना आधार खुदरा ऋण 17.7 फीसदी पर सुस्ती से बढ़ा जबकि यह एक साल पहले 21 फीसदी था। खुदरा ऋण में गिरावट वाहन ऋण और व्यक्तिगत ऋण में कमी आने से आया था जो मुख्य तौर पर असुरक्षित ऋण में आते हैं। दूसरी तरफ मार्च में उद्योग की उधारी वृद्धि में सालाना आधार पर 8.5 प्रतिशत फीसदी की बढ़ोतरी हुई जबकि मार्च 2023 में 5.6 फीसदी था।

गुजरात हाईकोर्ट ने भाजपा उम्मीदवार की निर्विरोध जीत को चुनौती देनेवाली याचिका खारिज

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात हाईकोर्ट ने सूरत लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल की निर्विरोध जीत को चुनौती देनेवाली याचिका खारिज कर दी। साथ ही याचिकाकर्ता को इलेक्शन पिटिशन दाखिल करने की नसीहत दी। बता दें कि सूरत लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार नीलेश कुंभाणी का निर्वाचन अधिकारी ने नामांकन रद्द कर दिया था। इसकी वजह नीलेश कुंभाणी के प्रस्तावकों के हस्ताक्षर मिसमैच होना था। नीलेश कुंभाणी का नामांकन रद्द होने के बाद बसपा समेत अन्य 8 उम्मीदवारों ने अपना नाम वापस ले लिया था। 8 उम्मीदवारों के चुनाव मैदान से हटने के बाद निर्वा चन अधिकारी ने भाजपा प्रत्याशी मुकेश दलाल को निर्विरोध विजेता घोषित कर दिया। भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल की निर्विरोध जीत को सूरत के भावेश पटेल ने गुजरात हाईकोर्ट में जनहित की याचिका दाखिल की थी। जिसमें कहा गया कि सूरत के मतदाताओं को नकारात्मक वोट का विकल्प नहीं दिया गया। मतदात ाओं को नोटा के अधिकार से वंचित रखा गया है। इसलिए भाजपा उम्मीदवार की निर्विरोध जीत को रद्द करने की याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट से मांग की थी। लेकिन गुजरात हाईकोर्ट की मुख्य न्यायधीश सुनीता अग्रवाल ने भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल को निर्विरोध जीतको चुनौती देनेवाली याचिका पर सुनवाईकरने से साफ इंकार कर दिया। न्यायधीश ने कहा कि निर्विरोध घोषित उम्मीदवारकोभीकाउंटिंगजरिए निर्वाचित प्रत्याशी के समानही माना जाएगा। साथ ही स्पष्ट किया कि यह याचिका जनहित केनियमोंमेंनहींआर्तेईसमामलेमें याचिकाकर्ताइलेक्शन पिटिशन दाखिल करें।

काला पत्थर-खनिज चोरी के २८० करोड़ घोटाले का आरोपी पकड़ा गया

अहमदाबाद, १ मई।

सरकार ने देखा कि सुरेंद्रनगर जिले के सैला में वर्षों से भूमि खनन और काले पत्थर (ब्लैक ट्रैप) की चोरी चल रही थी, जिसके बाद जांच का आदेश दिया गया था। जिसमें २८० करोड़ रुपये का खनन किये जाने की शिकायत दर्ज करायी गयी थी। इस मामले में स्थानीय पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खनन माफियाओं के खिलाफ पुलिस की ढिलाई के चलते जांच राज्य मॉनिटरिंग सेल को सौंपी गई थी, इसी कड़ी में रंगे हाथ अपराधी भरत वाला को राज्य मॉनिटरिंग सेल की टीम सायला से ही उठा ले जाती है। खनिज खनन के अलावा, भरतवाला विस्फोटक अधिनियम और सशस्त्र डकैती सहित कई अपराधों में वांछित था। सुरेंद्रनगर में भू-माफियाओं, खनन माफियाओं का आतंक पिछले कुछ वर्षों में बढ़ता जा रहा है। खनन माफिया सरकारी जमीन से काला पत्थर (ब्लैक ट्रैप) खोदते थे। इस माफिया द्वारा २८० करोड़ रुपये का खनन करने के बाद सरकार ने इनके खिलाफ शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जिसमें मुख्य सागरित भरत सार्दुलभाई वाला (निवासी सुदामदा, सैला-सुरेंद्रनगर) सात माह से पुलिस से भाग रहा था। मामले की जांच अंततः राज्य मॉनिटरिंग सेल को सौंपी गई। राज्य मॉनिटरिंग सेल के केटी कामरिया ने मुखबिरों को सक्रिय किया और जानकारी मिली कि भरत वाला सायला तालुका के डोलिया चौकड़ी के पास रिलायंस पेट्रोल पंप पर आया है। जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

अमरेली में जेनी ठुम्मर-भरत सुतरिया में मैदान में हैं

अहमदाबाद, १ मई।

गुजरात के पहले मुख्यमंत्री महेता का जन्म अमरेली में हुआ था। २०२४ लोकसभा चुनावों में अमरेली कई दो वजहों से चर्चा में पहली वजह है कि यहां के दो दिग्गज नेता परशोत्तम रूपाला और परेश धानाणी राजकोट सीट पर आमने-सामने हैं तो वहीं दूसरी ओर अमरेली लोकसभा सीट पर भी कांटे का संघर्ष संभव है। कांग्रेस की कैंडिडेट जेनीबेन ठुम्मर बीजेपी के उम्मीदवार भरत भाई सुतरिया को कड़ी टक्कर दे रही हैं। बीजेपी के अभेद्य गढ़ गुजरात में जिन तीन से चार सीटों पर कांग्रेस को जीत की उम्मीद है। उनमें से अमरेली लोकसभा सीट भी शामिल है। अमरेली अक्सर एशियाई शेरों के चलते भी चर्चा में रहता है। शेर आबादी में घुस आते हैं। बीजेपी ने अभी अमरेली सीट पर सात बात जीत हासिल की है। सहकारिता क्षेत्र में बड़े दिग्गज दिलीप संघाणी १९९१ से २००४ तक यहां से सांसद रह चुके हैं। वे लगातार चार बार जीते थे, लेकिन २००४ के चुनावों में कांग्रेस के वीरजी ठुम्मर ने दिलीप संघाणी को हरा दिया था।

कांग्रेस पार्टी को जेनीबेन ठुम्मर से २००४ जैसे उलटफेर की उम्मीद है। अब देखना है जेनीबेन ठुम्मर अपने पिता वीरजी की तरह इतिहास का दोहरा पाती हैं या फिर पीएम मोदी का मैजिक चलता है। बीजेपी ने इस सीट पर तीन बार से सांसद नारणभाई कछाड़िया का टिकट काट भरत भाई सुतरिया को उम्मीदवार बनाया है। अमरेली के बारे यह भी कहा है कि जिस पार्टी का विधानसभा सीटों में दबदबा रहता है उसे लोकसभा सीट नहीं मिली है। अगर इस बार अमरेली सीट पर बीजेपी जीत हासिल करती है तो विधानसभा की सीट के साथ पार्टी का लोकसभा सीट पर भी कब्जा होगा। २०२२ गुजरात विधानसभा चुनावों तक परेश धानाणी अमरेली से विधायक थे। इसके पहले भी परेश धनाणी २००२ से २००७ तक विधायक रहे थे।

अमरेली की राजनीतिक कहानी में बहुत सारे बदलाव हुए हैं। आजादी के बाद कांग्रेस ने इस निर्वाचन क्षेत्र पर अपना दबदबा बनाया और १९५७ से १९८४ के बीच सात चुनाव जीते। लेकिन १९८९ में जनता दल ने जीत का यह सिलसिला खत्म कर दिया और विजयी हुई। १९९१ के बाद से बीजेपी ने आठ लोकसभा चुनावों में से सात में जीत हासिल करने में सफल रही है और इस सीट पर नई प्रमुख पार्टी बन गई है। बीजेपी ने पांचवी लिस्ट में भरत भाई सुतरिया का नाम घोषित किया था।

२५ मार्च को उम्मीदवारी घोषित होने के बाद उनका विरोध भी सामने आया था। इसके बाद कार्यक्रम में ४०० पार की जगह उन्होंने पांच सौ पार का नारा दे दिया था। तब उनका बयान काफी वायरल हुआ था। कांग्रेस ने अमरेली सीट पर युवा दांव खेला है। पार्टी ने जेनी ठुम्मर को उतारा है। वे गुजरात महिला प्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष हैं।

डिश टीवी द्वारा 'डिशटीवी स्मार्ट+' सर्विसेज' के साथ मनोरंजन इंडस्ट्री में आई क्रांति, किसी भी स्क्रीन पर देखें टीवी और ओटीटी एकसाथ

अहमदाबाद, 1 मे 2024: डिश टीवी ने भारत में मनोरंजन अनुभव को फिर से परिभाषित करने के लिए एक अग्रणी पहल की है। अग्रणी डीटीएच प्रदाता ने अपनी इस पहल में अपने अभूतपूर्व प्रस्ताव 'डिश टीवी स्मार्ट'+ सर्विसेज की घोषणा की है। यह लॉन्च इस इंडस्ट्री में एक नया उदाहरण स्थापित कर रहा है, जो ग्राहकों को किसी भी स्क्रीन पर, कहीं भी, बिना किसी अतिरिक्त लागत के टीवी और ओटीटी दोनों कॉन्टेंट तक अपनी पहुंच प्रदान करता है। यह सुविधा, लचीलापन और उन्नत मनोरंजन विकल्प को सुनिश्चित करती है, जिससे ग्राहकों के देखने के अनुभव को और भी सशक्त बनाया जा सकता है।

अभिनेता मल्हार ठक्कर ने बताया, मनोरंजन भारत के दिल में है, यहां हर दिन, ''हर मिनट अनगिनत कहानियां सुनाई जाती हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि यह भारत की जीवन रेखा है। हालांकि, विविधता के साथ भ्रम और पहुंच के मुद्दे भी आते हैं इसलिए डिश टीवी स्मार्ट+ सर्विसेज इसका समाधान कर रही हैं। इससे भी ज्यादा, यह क्षेत्रीय कॉन्टेंट को बढ़ावा दे रही है जो हममें से प्रत्येक के लिए समस्या है। अब डिश टीवी स्मार्ट+ सर्विसेज के साथ, क्षेत्रीय कॉन्टेंट हर कोने तक पहुंचेगा और मनोरंजन पहले से कहीं अधिक स्मार्ट, उज्जवल और अधिक सुलभ होगा।ठ

नए प्रस्ताव पर टिप्पणी करते हुए, डिश टीवी इंडिया लिमिटेड के सीईओ, मनोज डोभाल ने कहा, ''अपनी स्थापना के बाद से, डिश टीवी ने मनोरंजन उपभोग परिदृश्य को बदल दिया है, लोगों को अपने पसंदीदा कॉन्टेंट का आनंद लेने के लिए कई नई चीजों को पेश किया गया। इस नए प्रस्ताव के साथ, हम व्यापक और सुलभ मनोरंजन अनुभवों के लिए एक नया मानक स्थापित करते हुए और भी बड़ा बदलाव लाने के लिए तैयार हैं। 'डिश टीवी स्मार्ट+' सर्विसेज का लॉन्च सिर्फ एक प्रस्ताव से कहीं अधिक का प्रतिनिधित्व करता है; यह भारत में मनोरंजन की खपत को फिर से परिभाषित करने की दृष्टि का प्रतीक है, जो स्मार्ट और बड़ी होती जा रही है।

डिश टीवी और वॉचो के कॉर्पोरेट मार्केटिंग हेड, श्री सुखप्रीत सिंह ने कहा, 'डिश टीवी स्मार्ट+' सर्विसेज के साथ, हम सिर्फ एक नया प्रस्ताव नहीं पेश कर रहे हैं; हम मनोरंजन उपभोग में एक सही बदलाव का नेतृत्व भी कर रहे हैं। हमारे मल्टी-चैनल मार्केटिंग दृष्टिकोण से हम उपभोक्ताओं के साथ सीधे जुड़ने, व्यापक जागरूकता फैलाने और इसे अपनाने को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, हम रुझानों से आगे रहने को प्राथमिकता देते हैं और ग्राहकों की बढ़ती प्राथमिकताओं को अपनाना हमारी रणनीति के केंद्र में है और हम उनकी विविध प्राथमिकताओं और जीवनशैली को पूरा करने वाले अद्वितीय मनोरंजन अनुभव प्रदान को करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भारतीय समाज में समानता की दिशा में परिवर्तन की ऐतिहासिक घटना - पट्टाभिषेकम्

नेशनल इंटेलेक्चुअल कंसल्टेंसी के मुख्य रणनीतिकार और वन मोर चांस (एनजीओ) के मुख्य ट्रस्टी राजेश शुक्ला और स्वामी नारायण ट्रस्ट के प्रमुख स्वामी पुरूषोत्तम शास्त्रीजी महाराज भारतीय समाज में समानता की दिशा में ऐतिहासिक पहल का नेतृत्व करते हैं।

अहमदाबाद, भारत-30 अप्रैल, 2024 - राष्ट्रीय बौद्धिक सलाहकार के मुख्य रणनीतिकार और वन मोर चांस के प्रधान ट्रस्टी, राजेश शुक्ला, एक और अभूतपूर्व क्षण प्रस्तुत करते हैं और उन्होंने असंभव को संभव बना दिया है।

स्वामी नारायण ट्रस्ट के माननीय प्रमुख श्री पुरूषोत्तम शास्त्रीजी महाराज ने संयुक्त रूप से 2024 के लिए अहमदाबाद, भारत में इस महत्वपूर्ण पहल का आयोजन किया है। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का नेतृत्व अखाड़ा प्रमुख महंत रवींद्र पुरी महाराज और महंत अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महासचिव हरि गिरी महाराज कर रहे हैं। यह कार्यक्रम अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्री रवींद्रपुरी महाराज और अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के सचिव और जूना अखाड़ा इंटरनेशनल के अध्यक्ष श्री हरिगिरि महाराज के सतर्क नेतृत्व में 1300 साल पुरानी परंपरा को पुनर्जीवित करने के लिए है।

30 अप्रैल, 2024 को अहमदाबाद के सोला में प्रतिष्ठित साइंस सिटी में आयोजित कार्यक्रम में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्रपुरीजी महाराज और जनरल महंत हरिगिरिजी महाराज के साथ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के संतों/महात्माओं की महामंडलेश्वर के रूप में ऐतिहासिक नियुक्ति हुई। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के सचिव एवं जूना अखाड़ा इंटरनेशनल के संरक्षक द्वारा पट्टाभिषेक किया गया। इस महत्वपूर्ण आयोजन में पूरे भारत से 8000 से अधिक सनातन समर्थकों और प्रगतिशील व्यक्तित्वों ने भाग लिया।

श्री राजेश शुक्ला ने कहा कि समता मूलक समाज भारतीय समाज में समानता और सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक परिवर्तनकारी परियोजना है। दूरदर्शी नेताओं और आध्यात्मिक हस्तियों के गठबंधन के नेतृत्व में, इस परियोजना का उद्देश्य जाति-आधारित बाधाओं को दूर करना और सनातन धर्म के भीतर समावेशन को बढ़ावा देना है,

स्वामी पुरूषोत्तम शास्त्री और श्री राजेश शुक्ला ने कहा कि उनकी प्रतिबद्धता और भविष्य के प्रयासों में नारायण शास्त्री संस्थान और चाणक्य आईएएस अकादमी की मदद और मार्गदर्शन से एलबीएस अकादमी शुरू करना शामिल है, जिसकी शाखाएं पूरे भारत में होंगी। इन संस्थानों का मुख्य उद्देश्य उन संभावित उम्मीदवारों को प्रशिक्षित करना है जो आईएएस अधिकारी बनना चाहते हैं और अन्य सरकारी नौकरियों में प्रवेश पाना चाहते हैं। वे पूरे भारत में 40 केंद्र शुरू करेंगे जो गरीब सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के इच्छुक छात्रों को प्रशिक्षित करेंगे। ये छात्र समाज में उसी तरह योगदान देंगे जैसे उनके वरिष्ठ योगदान दे रहे हैं।

श्रीमती मंजुला सक्सेना ने पश्चिम रेलवे के प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी का पदभार ग्रहण किया

अहमदाबाद (ईएमएस) श्रीमती मंजुला सक्सेना ने पश्चिम रेलवे के प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी का पदभार 1 मई, 2024 को ग्रहण कर लिया है। आप भारतीय रेल कार्मिक सेवा (आईआरपीएस) के 1994 बैच की वरिष्ठ अधिकारी हैं। इससे पहले आप पश्चिम रेलवे में ही मुख्य कार्मिक अधिकारी (प्रशासन) के पद पर कार्यरत थीं। श्रीमती मंजुला सक्सेना ने 1951 में पश्चिम रेलवे के गठन के बाद से कार्मिक विभाग की प्रमुख बनने वाली पहली महिला अधिकारी होने का गौरव हासिल किया है। श्रीमती मंजुला 05/09/1994 को भारतीय रेल में शामिल हुईं और उन्होंने राजपत्रित और गैर-राजपत्रित दोनों रेलवे कर्मचारियों के कार्मिक मामलों से निपटने के विविध अनुभव प्रदान करते हुए विभिन्न पदों पर कार्य किया है। आप भर्ती, स्थापना, प्रशिक्षण, औद्योगिक संबंध आदि जैसे सभी मानव संसाधन कार्यों में कुशल हैं। आपको मध्य रेल और पश्चिम रेलवे दोनों पर 30 वर्षों से अधिक का गहन अनुभव है और आप अपने मानव केंद्रित दृष्टिकोण के लिए जानी जाती हैं। उल्लेखनीय है कि आपके नेतृत्व में मध्य रेल का मुंबई मंडल भारत सरकार में घ्एध्:9001-2000 मान्यता प्राप्त करने वाली पहली मानव संसाधन इकाई बन गई। टेक्नोललॉजी के उपयोग में आपकी क्षमता ने पश्चिम रेलवे में डिजिटायजेशन से डिजिटलायजेशन की ओर बदलाव ला दिया है। अपने शानदार करियर में आपने वर्ष 2005 में प्रतिष्ठित रेल मंत्री पुरस्कार के साथ-साथ सर्वश्रेष्ठ निष्पाउदन शील्ड 2020-2021 सहित कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं। श्रीमती मंजुला को टाटा इंस्टीटयूट ऑफ सोशल साइंस, मुंबई; इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद; भारतीय रेल की राष्ट्रीय अकादमी, वडोदरा; भारतीय रेल यातायात प्रबंधन संस्थान, लखनऊ; भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे के साथ-साथ सिंगापुर और मलेशिया जैसे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दोनों प्रतिष्ठित संस्थानों में बड़े पैमाने पर प्रशिक्षित किया गया है। श्रीमती मंजुला वास्तव में महिला सशक्तिकरण की प्रतीक हैं।

अधिक मतदान के लिए अनोखी पहल, सबसे ज्यादा वोटिंग करनेवाले गांव को मिलेंगे 25 लाख

बनासकांठा (ईएमएस) निर्वाचन आयोग और सरकार समेत विभिन्न संस्थाएं ज्यादा से ज्यादा मतदान के लिए खास अभियान चलाती हैं। इस अभियान में अबगुजरातविधानसभा के अध्यक्ष शंकर चौधरी भी शामिलहो गए हैं। शंकर चौधरी ने ज्यादा से ज्यादा मतदान के उद्देश्य से बनासकांठा जिले के11 गांवों के बीच स्पर्धा का ऐलान किया हैं। स्पर्धा में जीतने वाले गांव को लाखों रुपए का ईनाम मिलेगा। शंकर चौधरी ने ऐलान किया है कि सबसे अधिक मतदान करने में 1से7नंबर तक आनेवाले गांवों को पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अंतर्गत सबसे अधिक वोटिंग कर पहला स्थान हासिल करने वाले गांव कोरु.25 लाख और दूसरे विजेता गांव को रु. 20 लाख का ईनाम दिया जाएगा। पुरस्कार में मिलनेवालीरकमकोगांव के सामूहिकविकास कार्यों पर खर्च किया जाएगा।

श्रीनिक आउटरीच के बैनर तले बनी फिल्म S2G2- ए रोमांटिक मिशन का ट्रेलर लॉन्च

अहमदाबाद : : श्रीनिक आउटरीच के बैनर तले बनी मजेदार, फैशन और एक्शन से भरपूर गुजराती फिल्म "S2G2- ए रोमांटिक मिशनठ का धमाकेदार ट्रेलर लॉन्च हो गया है। फिल्म की बात करें तो यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है जिसमें हंसी-मजाक से लेकर एक्शन सब कुछ है। 10 मई, 2024 को रिलीज होने वाली यह फिल्म निश्चित रूप से एक संपूर्ण पारिवारिक मनोरंजक फिल्म साबित होगी।

राकेश शाह द्वारा निर्देशित यह फिल्म श्रीनिक आउटरीच के बैनर तले विशाल भट्ट और मिरल शाह द्वारा निर्मित है। अन्य निर्माताओं में मौलिक पटेल और धवल पटेल शामिल हैं। फिल्म में मौलिक चौहान, कथा पटेल, श्रेय मारडिया, प्रियल भट्ट, अर्चन त्रिवेदी, कल्पेश पटेल, स्पंदन कुमार और चंद्रेश करेलिया जैसे जाने-माने कलाकार मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म मिरल शाह द्वारा लिखी गई है।

S2G2-एक रोमांटिक मिशन फिल्म 2 जोड़ों के बारे में है। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के साथ ही दर्शक फिल्म को लेकर उत्साहितहोगए हैं,फिल्म में, विवेक (मौलिकचौहान द्वारा अभिनीत) एक फोटोग्राफर है जो एक मिशन पर जाता है, लेकिनयहमिशन क्या है और वह सफल होता है या नहीं, यह फिल्म के माध्यम से देखा जाना बाकी है।

फिल्म का संगीत जॉय मेहता ने तैयार किया है और जावेद अली और संदीप कुलकर्णी जैसे प्रसिद्ध बॉलीवुड पार्श्व गायकों ने इस गाने को अपनी आवाज दी है, जिसमें कच्छ के मनोरम दृश्य होंगे। फिल्म के गाने किरण परिहार और श्यामल मुंशी ने लिखे हैं।

5-स्टार सुरक्षित कुशाक और स्लाविया मॉडल ईयर 24 (MY 24) अपडेट के साथ और भी सुरक्षित हुई

अक्टूबर 2022 में कुशाक एसयूवी और अप्रैल 2023 में स्लाविया सेडान के साथ सुरक्षा के नए मानक स्थापित करने के बाद, स्कोडा ऑटो इंडिया ने कुशाक और स्लाविया के सभी वैरिएंट में स्टैंडर्ड तौर पर छह एयरबैग्स की पेशकश कर सुरक्षा की दिशा में आगे बढ़ना जारी रखा है। यह पेशकश कंपनी के ऐतिहासिक मेड-फॉर-इंडिया, रेडी-फॉर-द-वर्ल्ड इंडिया 2.0 प्रॉडक्ट पोर्टफोलियो के लिए मॉडल ईयर 24 (MY 24)अपडेट का हिस्सा है।

अपग्रेड के बारे में स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक पीटर जनेबा ने कहा, ठस्कोडा डीएनए में सुरक्षा हमेशा से उसकी बुनियाद रहा है। हम ग्लोबल एनसीएपी परीक्षणों के तहत वयस्कों और बच्चों के लिए पूरे 5-स्टार स्कोर करने वाले पहले ब्रांड थे। सुरक्षा पर हमारा जोर हमारे मानवीय जुड़ाव के दृष्टिकोण का प्रतीक है और एक पारिवारिक ब्रांड होने पर हमारे फोकस को सामने लाता है। हमने हमेशा अपने बेस वैरिएंट में फ्रंटल एयरबैग और अपने उच्च वैरिएंट में छह एयरबैग्स की पेशकश की है, जो दूसरे की तरह पूरी तरह से सुरक्षित है। हमारे मॉडल ईयर 24 (MY 24) अपडेट के तहत अब हम कुशाक और स्लाविया के सभी वैरिएंट में छह एयरबैग्स प्रदान करते हैं। हम हमेशा अपने ग्राहकों की बात सुन रहे हैं और अपने प्रॉडक्ट पोर्टफोलियो और हमारे वैरिएंट लाइन-अप के भीतर जरूरी अपग्रेड्स और महत्वपूर्ण प्रॉडक्ट एक्शंस मुहैया कराना जारी रखेंगे।''

कांग्रेस ने कोरोनाकाल में लगाई गई कोविशील्ड वैक्सीन को लेकर सरकार से किए गंभीर सवाल

अहमदाबाद (ईएमएस) कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने गुजरात की स्थापना दिवस के मौके पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देने के साथ ही कोरोना से बचाने के लिए लोगों को लगाई गई कोविशील्ड वैक्सीन को लेकर सरकार को घेरने की कोशिश की। गोहिल ने कहा कि जब कोरोना वायरस आया तो सभी चिंतित थे। वैक्सीन की खोज के लिए होड लगी थी। उस समय वैक्सीन के साइड इफेक्ट देखने का समय नहीं था, इसलिए वैक्सीन लगाना शुरू किया गया। उस वक्त विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा था कि हर देश को वैक्सीन के साइड इफेक्ट को लेकर सावधान रहना चाहिए और अपनी रिपोर्ट तैयार करनी चाहिए। डब्ल्यूएचओ के कहने के बाद किसे टीके लगाए गए? उनके स्वास्थ्य मानक क्या थे? क्यों थे? यह जानकारी इकट्ठा करना था। शक्ति सिंह ने आरोप लगाया कि कई देशों ने डब्ल्यूएचओ के मानकों के मुताबिक ये जानकारी जुटाई हैं लेकिन अपना ही देश ऐसा था जिसने वैक्सीन किसे दी? इसकी कोई जानकारी एकत्र नहीं की हैं। हार्ट अटैक, किडनी फेलियर समेत अन्य मुद्दों पर डब्ल्यूएचओ द्वारा दिशा-निर्देश दिये गये। बावजूद इसके कोई डेटा एकत्र नहीं किया गया। शक्तिसिंह गोहिल ने सवाल किया कि जब दुनिया की चिंता करते हुए डब्ल्यूएचओ ने डेटा एकत्र करने को दिशा-निर्देश दिया तो तो उसका पालन क्यों नहीं किया? गुजरात में लोग मर रहे हैं तो उसे गंभीरता से क्यों नहीं लिया। सितंबर 2023 में डब्ल्यूएचओ की एडवाइजरी के बाद भी डेटा क्यों नहीं इकट्ठा किया गया? उन्होंने कहा कि भारत में कोविशील्ड की 205 करोड़ खुराकें दी गईं। गुजरात में कोविशील्ड की 10.53 करोड़ खुराकें लगाई गईं। मुफ्त में वैक्सीन देने की बात कहकर राजनीतिक फायदा उठाया। उन्होंने कहा कि हमारा देश सीआरआई पर गर्व कर सकता है, जो 118 साल पुरानी वैक्सीन बनाने और उत्पादन करने वाली संस्था है और यह भारत सरकार की हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सीआरआई से निकली वैक्सीन की दुनिया भर में तारीफ हुई थी। पोलियो सहित टीकों का उत्पादन सीआरआई द्वारा किया गया था। जब कोरोना आया तो इंग्लैंड की कंपनी ने कहा कि हमने आविष्कार तो कर लिया है लेकिन उत्पादन नहीं हो सकता। ऐसे में भारत सरकार ने वैक्सीन उत्पादन सीआरआई को न देकर सिरम इंस्टीटयूट को दे दिया।

आरोपी के खिलाफ अपराध साबित हो चुका है, कोई दया नहीं दिखाई जा सकती: कोर्ट

अहमदाबाद, १ मई।

शहर के रामोल इलाके से नवंबर. २०१९ में १५ वर्षीय नाबालिग का अप हरण कर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को एसपी ने गिरफ्तार कर लिया। पॉक्सो कोर्ट ने २० साल की सजा सुनाई है. इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि जब मामला गंभीर प्रकृति का हो और संदेह से परे साबित हो तो ऐसे आरोपी पर कोई दया नहीं दिखाई जा सकती। शहर के रामोल इलाके में रहने वाली १५ साल की सगीरा को उसी इलाके में रहने वाले २४ साल के सनी सोमाजी ठाकोर ने प्रेम जाल में फंसाया. फिर ११ नवंबर को शादी का ऑफर दिया गया. २०१९ को उसका अपहरण कर अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर दुष्कर्म किया गया। इस मामले में सगीरा के परिवार ने २३ नवंबर को रामोल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई.२०१९ को सन्नी को पकड़ लिया गया और नाबालिग को रिहा कर दिया गया। इस मामले में आरोप पत्र केस एस.पी. कोर्ट की सैर पर आये थे. जिसमें सरकारी वकील विजयसिंह चावड़ा ने पर्याप्त गवाहों से पूछताछ की और दस्तावेजी साक्ष्य पेश कर कोर्ट को बताया कि आरोपी की उम्र २४ साल है

कांग्रेस को क्षत्रिय मतदाताओं को रिजेक्ट लिस्ट में डालने की आशंका

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता पार्थिवराज सिंह कठवाडिया ने मुख्य चुनाव आयोग से चिंता जताई कि 2015 में जब पाटीदार आरक्षण आंदोलन (पास) आंदोलन पूरे जोरों पर था, तब नगर निगम चुनाव में लाखों मतदाताओं को रिजेक्ट लिस्ट में डाल दिया गया था। उन्होंने आशंका जताई कि साल 2024 के आम चुनाव में क्षत्रिय आंदोलन के दौरान भी उन गांवों, तालुकाओं और शहरों में इस तरह की स्थिति बन सकती है, जहां क्षत्रियों की आबादी हैं। गुजरात राज्य में 50 लाख से अधिक क्षत्रिय भाई-बहन महिलाओं की अस्मिता के मुद्दे पर आंदोलन कर रहे हैं, तो चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करे कि मतदाताओं को सरकार के खिलाफ निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए और उनके मतदान के अधिकार को नहीं छीना जाना चाहिए। 2015 में अहमदाबाद जैसे शहरों में महानगरपालिका चुनावों में, कुछ वार्डों में 1000 से 4000 तक वोटों को अस्वीकार सूची में डाल दिया गया था। अकेले अहमदाबाद शहर में मतदाता सूची से एक लाख से अधिक वोट रद्द कर दिये गये। हमारे सर्वेक्षण के अनुसार, छह नगर पालिकाओं में 2.50 लाख से अधिक नाम खारिज कर दिए गए। मुख्य चुनाव आयोग और गुजरात चुनाव आयोग को एक ई-मेल भेजा गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सरकार के खिलाफ मतदाताओं को लक्षित और रद्द न किया जाए और आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी भी चुनाव आयोग से इस संबंध में प्रत्यक्ष मुलाकात करेगी। हमने चुनाव आयोग से निष्पक्ष कार्य करके यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया कि गुजरात के मतदाता वोट देने के अधिकार से वंचित न हों। क्योंकि राज्य में क्षत्रिय आंदोलन जोर पकड़ रहा है तो गुजरात पुलिस द्वारा युवाओं को निशाना बनाकर उन्हें अवैध रूप से हिरासत में लेने और कुछ जगहों पर महिलाओं को गिरफ्तार करने के मामले सामने आ रहे हैं। मीडिया के माध्यम से, हम गुजरात के पुलिस महानिदेश से अनुरोध करते हैं कि वे उन पुलिस अधिकारियों, कार्यकर्ताओं को निर्देशित करें जो गुजरात के लोगों के नहीं बल्कि भाजपा के सेवक के रूप में काम कर रहे थे। पुलिस का काम निष्पक्ष रूप से किया जाना चाहिए। कुछ दिन पहले भरूच में क्षत्रिय युवाओं को रात-दिन हिरासत में रखा गया, एक युवा क्षत्रिय नेता के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया गया। अनुचित शब्द बोले जाने का विवरण सामने आया हैं। गुजरात के कुछ इलाकों में महिलाओं के साथ मारपीट के मामले भी सामने आए हैं। पुलिस से निष्पक्षता की उम्मीद करते हुए हम मांग करते हैं कि पुलिस कर्मियों को पुलिस विभाग को बदनाम करने के लिए उनकी जिम्मेदारी का एहसास कराने के लिए कदम उठाए जाएं। अगर पुलिस निष्पक्षता से कार्रवाई नहीं करेगी तो निकट भविष्य में मानवाधिकार आयोग और कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95